RNI No. : TNHIN/2013/52520 | वर्ष - 13 | अंक - 274 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | चेन्नई » रविवार » 03-05-2026 | www.dakshinbharat.com | Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा ने मतदाताओं को गुमराह करने के लिए एग्जिट पोल में हेरफेर किया : गौरव गोगोई

6 लेटिनेंट महेश कुमारः खुद को गोलियां लगने के बावजूद लक्ष्य को दी प्राथमिकता

7 'मेरे जम मेरी कहानी बयां करते हैं...': राजश्री देशपांडे

फर्स्ट टेक

ओडिशा के जाजपुर में दहीबड़ा खाने के बाद 58 लोग अस्पताल में भर्ती

जाजपुर/भाषा। ओडिशा के जाजपुर जिले के एक गांव में कथित तौर पर दहीबड़ा खाने के बाद बीमार पड़ने पर 27 बच्चों सहित कुल 58 लोगों को शनिवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना शुक्रवार को दशरथपुर ब्लॉक के पातापुर गांव में हुई, जहां लोगों ने एक स्थानीय विक्रेता से 'कटक दहीबड़ा' खाया। पुलिस ने बताया कि इसका सेवन करने के तुरंत बाद लोगों ने उल्टी और बुखार की शिकायत की। उसने बताया कि बीमार लोगों को दशरथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और जाजपुर जिला मुख्यालय अस्पताल (डीएचएच) में भर्ती कराया गया है।

अफगान सीमा पर तनाव को लेकर ब्रिटिश राजनयिक का बयान एकतरफा : पाकिस्तान

इस्लामाबाद/भाषा। ब्रिटेन के अफगानिस्तान मामलों के विशेष प्रतिनिधि रिचर्ड लिंडसे द्वारा अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर तनाव को लेकर की गई टिप्पणी को इस्लामाबाद ने शनिवार को खारिज कर दिया और कहा कि यह स्थिति की गहरी समझ नहीं होने को प्रदर्शित करता है। लिंडसे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) की एक पोस्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया था कि पूर्वी अफगानिस्तान में एक विश्वविद्यालय सहित अन्य स्थानों पर हमलों में ''दर्जनों नागरिकों के मारे जाने या घायल होने'' की सूचना है। लिंडसे ने कहा, ''कुनार में हुए हमलों सहित अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ती हिंसा से मैं चिंतित हूं।

दो व्यक्ति 2.38 लाख रुपए के जाली नोट के साथ गिरफ्तार

मंगलुरु (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक पुलिस ने दो व्यक्तियों को बंतवाल में 2.38 लाख रुपए मूल्य के जाली नोट के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इस क्षेत्र में नकली मुद्रा के बारे में सटीक सूचना मिलने के बाद ये गिरफ्तारियां की गईं। इन आरोपियों के पास से कथित तौर पर जाली नोट बरामद किए गए जिन्हें वे बाजार में चलाने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मोहम्मद समीर (28) और इरफान (26) के रूप में की गई है। पुलिस ने इनके कब्जे से तीन मोबाइल फोन और एक कार बरामद की है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि ये आरोपी नकली मुद्रा वितरण के एक नेटवर्क का हिस्सा हैं।

आदिवासियों, अनुसूचित जातियों ने भारत की पहचान को संरक्षित रखा : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ मानव जीवन दुनिया को कुछ वापस देना होता है, क्योंकि हम सभी एक महान परिवार का हिस्सा हैं।

मुंबई/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने शनिवार को कहा कि विदेशी आक्रमणों और कठिनाइयों के बावजूद आदिवासी समुदायों तथा अनुसूचित जातियों ने देश की पहचान और आत्मा को सहेजकर रखा। वह यहां कर्मयोगी पुरस्कार समारोह में बोल रहे थे, जहां केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भी उपस्थित थे।

भागवत ने कहा, ''मानव जीवन दुनिया को कुछ वापस देना होता है, क्योंकि हम सभी एक महान परिवार का हिस्सा हैं। एक व्यक्ति समाज की बेहतरी के लिए काम करता है, उपकार के तौर पर नहीं, बल्कि कर्तव्य के रूप में। दूसरों की सेवा करके हम अपना विकास करते हैं। दूसरों को आगे बढ़ने में मदद करके हम स्वयं को उन्नत करते हैं और एक बेहतर इंसान बनते हैं। यह सिद्धांत इस भारतीय भूमि का मूल मूल्य है, जिसे आमतौर पर हिंदू समाज के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा, ''यह समाज का वह चिरस्थायी लोकाचार है, जो हजारों वर्षों से कायम है। विभिन्न कारणों से, आंशिक रूप से हमारी उदासीनता के कारण और आंशिक रूप से विदेशी आक्रमण के कारण, इस लोकाचार को संरक्षित करने वालों को भारी कीमत चुकानी पड़ी।''

आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि विदेशी आक्रमणकारियों ने देखा कि यही लोकाचार, समाज का यही मूल्य इसकी आत्मा है और इसे बनाए रखने की कुंजी है, इसलिए विदेशी आक्रमणकारियों ने इस आत्मा को संरक्षित करने वालों को जड़ से उखाड़ फेंकने का प्रयास किया और इस कारण उन लोगों को घोर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि हालांकि विदेशी आक्रमणों और कठिनाइयों के बावजूद आदिवासी समुदायों और अनुसूचित जातियों ने देश की पहचान और उसकी आत्मा को संरक्षित रखा।

भागवत ने कहा, इतनी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, आदिवासी समुदायों और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समूहों के बीच देश की मूल पहचान बरकरार रही। उन्होंने इन समुदायों को मुख्यधारा की विकास प्रक्रिया में एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल दिया, साथ ही यह सुनिश्चित करने की बात कही कि उन्हें सेवाओं और सुविधाओं तक समान पहुंच प्राप्त हो।

वैश्विक घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा कि ''जिस तरह से दुनिया इस समय डांवाडोल हो रही है,

महिला विरोधी विचारधारा भाजपा का असली चेहरा : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी तो, कांग्रेस की महिला सांसदों के सवालों से घबराकर, संसद छोड़कर पहले ही भाग चुके हैं।

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा की गुजरात इकाई के अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा द्वारा सांसद गेनीबेन ठाकोर के खिलाफ की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर शनिवार को कहा कि सत्तारूढ़ दल का नारी वंदन का मुखौटा अब उतर गया है और महिला विरोधी विचारधारा ही उसका असली चेहरा है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि गुजरात के साथ पूरे देश की महिलाएं भाजपा को इस अपमान का मुंहतोड़ जवाब देंगी।

विश्वकर्मा ने गुजरात में हाल में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत का हवाला देते हुए कांग्रेस सांसद ठाकोर के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है।

बनासकांठा से सांसद ठाकोर लोकसभा में गुजरात से कांग्रेस की एकमात्र सदस्य हैं।

राहुल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भाजपा की गुजरात इकाई के अध्यक्ष ने कांग्रेस की हमारी महिला सांसद गेनीबेन ठाकोर जी पर अभद्र टिप्पणी की है। 'नारी वंदन' का मुखौटा उतर गया।'' उन्होंने कहा कि यह सिर्फ़ शर्मनाक नहीं, बल्कि भाजपा की मनुवादी और महिला-विरोधी विचारधारा का असली चेहरा है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''यह है भाजपा का नारी वंदन? ये करेंगे महिलाओं का सशक्तीकरण? ये देंगे अधिकार? सत्ता को चुनौती देने वाली महिलाएं इन्हें बर्दाश्त नहीं हैं, एक ही पल में इनकी (भाजपा की) विकृत मानसिकता सामने आ जाती है।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी तो, कांग्रेस की महिला सांसदों के सवालों से घबराकर, संसद छोड़कर पहले ही भाग चुके हैं। मोदी जी ख़ुद कहते हैं, 'नारी सब भूल जाती है, लेकिन अपना अपमान कभी नहीं भूलती।' मगर भाजपा खुद यह (बात) भूल गई।''

राहुल ने कहा कि ''महिला-विरोधी भाजपा'' यह याद रखे कि गुजरात के साथ पूरे हिंदुस्तान की महिलाएं हर अपमान का मुंहतोड़ जवाब देंगी।

डिजिटल घोटालों, ऑनलाइन ऋण ऐप से सावधान रहें लोग : शिवनकुट्टी

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने डिजिटल घोटालों और ऑनलाइन ऋण प्रदान करने वाले ऐप के खतरों को लेकर लोगों को आगाह करते हुए शनिवार को कहा कि ये सामाजिक तंत्र के लिए खतरा हैं। शिवनकुट्टी ने हाल में रिलीज मलयालम फिल्म 'पैट्रियट' की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस फिल्म में साइबर अपराधों के खतरों को स्पष्ट रूप से बताया गया है। इस फिल्म में ममूटी और मोहनलाल मुख्य भूमिका में हैं। उन्होंने कहा, ''प्रौद्योगिकी ने दुनिया को हमारी उंगलियों पर ला दिया है तो ऐसे में इस प्रकार की फिल्में प्रौद्योगिकी के छिपे हुए गंभीर खतरों के बारे में स्पष्ट समझ प्रदान करती हैं।'' मंत्री ने शुक्रवार को रिलीज हुई फिल्म देखने के बाद 'फेसबुक' पोस्ट में कहा, ''गरीबों की बेबसी का फायदा उठाने वाले डिजिटल माफिया हमारे सामाजिक तंत्र के लिए खतरा हैं। यह फिल्म परिवारों की शांति भंग करने वाले इस प्रकार के आपराधिक नेटवर्क को बेनकाब करने में सफल रही है।''

हादसा

शनिवार को क्बन रोड स्थित फील्ड मार्शल मानेकशॉ परेड ग्राउंड की दीवार से रूट नंबर 362 की बीएमटीसी बस टकरा गई। वाहन रोकने के लिए चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने पर हुए जोरदार झटके से तीन यात्री मामूली रूप से घायल हो गए।

किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं : शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को मध्यप्रदेश के अपने विदिशा लोकसभा क्षेत्र में गेहूं खरीद की समीक्षा की और चेतावनी दी कि लापरवाही या अनियमितता करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीद का कार्य जारी है और रायसेन, विदिशा, सीहोर तथा देवास जिलों में व्यवस्थाओं में सुधार हुआ है।

चौहान ने कहा, किसानों को हमारी जरूरत है और हमें उनके साथ खड़ा रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि 80 प्रतिशत से अधिक किसानों ने स्लॉट बुकिंग पूरी कर ली है और सत्यापन से जुड़ी समस्याओं का समाधान कर दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खरीद केंद्रों पर तौल क्षमता बढ़ाकर 2,250 क्विंटल प्रतिदिन कर दी गई है और तौल मशीनों की संख्या भी बढ़ाई गई है। उन्होंने बताया कि सभी केंद्रों पर अगले तीन दिनों के लिए पर्याप्त मात्रा में जूट के बोरे उपलब्ध करा दिए गए हैं।

चौहान ने कहा, किसानों की मेहनत से पैदा हुआ हर एक दाना खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ सर्वेक्षकों के खिलाफ शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिसके बाद उनमें से 34 को हटा दिया गया और विदिशा जिले में दो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी कार्यालयों में किसानों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा।

जिलेवार आंकड़े देते हुए चौहान ने बताया कि विदिशा में 87,913 में से 72,027 किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं और 36,442 किसानों से 1.99 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है।

रायसेन में 77,117 में से 68,639 किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं और 32,374 किसानों से 1.80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं खरीदा गया है।

सीहोर में 51,719 किसानों से 2.73 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई है, जबकि देवास में 31,035 किसानों से 1.48 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खरीद लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है।

चौहान ने कहा कि सरकार किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करेगी और उन्हें उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने देगी।

अंडमान निकोबार प्रशासन ने

पानी के भीतर सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्री विजय पुरम/भाषा। अंडमान निकोबार प्रशासन ने शनिवार को राधानगर समुद्र तट पर पानी के भीतर दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर नया 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' बनाया।

यह विशाल तिरंगा स्वराज द्वीप (हैवलॉक द्वीप) में समुद्र के भीतर एक जटिल और सटीक समन्वित अभियान के तहत फहराया गया, जिसमें कई एजेंसियों और प्रशिक्षित गोताखोरों की भागीदारी रही। इस तिरंगे की लंबाई 60 मीटर है, जबकि चौड़ाई 40 मीटर है।

उपराज्यपाल डी के जोशी, मुख्य सचिव चंद्र भूषण कुमार और पुलिस महानिदेशक एचएस धालीवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी यह कार्यक्रम देखने के लिए उपस्थित थे।

अंडमान निकोबार पुलिस, वन विभाग, भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के कर्मियों के साथ-साथ विभिन्न गोताखोरी केंद्रों के गोताखोरों ने पानी के भीतर ध्वज फहराने के इस जटिल अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया।

तीन स्कूली बच्चों-- फतेह जहां सिंह (16), लावन्या एरा (15) और रणविजय सिंह (14)-- 200 से अधिक गोताखोरों के बीच सबसे कम उम्र के प्रतिभागी थे।

सुबह 10:35 बजे, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के निर्णयकर्ता ऋषिनाथ ने औपचारिक रूप से इस उपलब्धि की पुष्टि की और जोशी को प्रमाण-पत्र प्रदान किया।

गायकवाड़ और कार्तिक के अर्धशतक से

मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीती सीएसके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद मुंबई इंडियंस को छोटे स्कोर पर रोकने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (नाबाद 67) और कार्तिक शर्मा (नाबाद 54) के बीच तीसरे विकेट के लिए 75 गेंद में 98 रन की अटूट साझेदारी की मदद से शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एक अहम मैच में आठ विकेट से जीत दर्ज की।

अफगानिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर नूर अहमद (26 रन देकर दो विकेट) और अंशुल कंबोज (32 रन देकर तीन विकेट) की अनुशासित गेंदबाजी की बदौलत सीएसके ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट पर महज 159 रन पर रोक दिया।

फिर गायकवाड़ की 48 गेंद में पांच चौके और दो छक्के जड़ित नाबाद पारी और कार्तिक (40 गेंद में चार चौके और तीन छक्के) के पहले आईपीएल अर्धशतक से 18.1 ओवर में दो विकेट पर 160 रन बनाकर आसान जीत हासिल की जो इस सत्र में उसकी चौथी जीत है। लगातार निराशाजनक प्रदर्शनों के बाद पांच पांच आईपीएल खिताब जीत चुकी दोनों ही टीम का टूर्नामेंट में आगे का सफर इस मैच के नतीजे पर निर्भर था।

सीएसके इस जीत से आठ अंक लेकर छठे स्थान पर पहुंच गई जिससे उसकी प्लेऑफ में कदम बढ़ाने की संभावना बरकरार है जबकि मुंबई इंडियंस चार अंक से नौंवे स्थान पर है।

लक्ष्य इतना बड़ा नहीं था, गायकवाड़ और कार्तिक जल्दी मैच खत्म कर सकते थे लेकिन दोनों ने संयमित बल्लेबाजी करने को तरजीह दी।

मुंबई इंडियंस के लिए जसप्रीत बुमराह (20 रन देकर एक विकेट) ने दूसरे ओवर में एक बेहतरीन गेंद से शुरुआत की। उनकी अच्छी लेंथ गेंद संजू सैमसन (11 रन) के बल्ले का बाहरी किनारा छूती हुई निकली, लेकिन स्लिप में खड़े विल जैक्स ने एक आसान सा कैच टपका दिया। पर सैमसन इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा सके और ओवर के आखिर में रेयान रिकेलटन को कैच दे बैठे।

ट्रेंट बोल्ट ने पहले ओवर में सात रन दिए लेकिन सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने उनके दूसरे ओवर में दो चौके और एक छक्के से 17 रन जुटाए।

कृष भगत के पहले आवेर में उर्विल पटेल (24 रन, 12 गेंद) ने डीप फाइन लेग पर छक्का जड़कर शुरूआत की और अगली गेंद को लांग ऑन पर चौके के लिए भेजा। उर्विल ने ओवर का अंत हेलीकॉप्टर शॉट से छक्का जड़कर किया जिससे इस ओवर में 18 रन जुड़े।

पावरप्ले के अंतिम ओवर में गायकवाड़ ने स्वीप शॉट से डीप स्क्वायर लेग में छक्का जड़ा लेकिन ए एम गजनफर ने इसी ओवर में उर्विल को बोल्ड कर उनकी पारी समाप्त की।

छह ओवर में सीएसके ने दो विकेट के नुकसान पर 62 रन बना लिए थे।

अमेरिका ने जहाजरानी कंपनियों को चेताया,

होर्मुज से आवाजाही के लिए भुगतान किया तो लगेगा प्रतिबंध

बेरूत/एपी। अमेरिका ने जहाजरानी कंपनियों को चेतावनी दी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित रूप से गुजरने के लिए ईरान को भुगतान करने पर उन्हें प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर अमेरिका और ईरान के मध्य जारी टकराव के बीच अमेरिकी विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) द्वारा शुक्रवार को दी गई चेतावनी ने दबाव और बढ़ा दिया है।

आम तौर पर शांति के समय दुनिया के तेल और प्राकृतिक गैस के व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। ईरान ने 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा युद्ध शुरू किए जाने के बाद जहाजों पर हमले की धमकियां देकर और हमले करते हुए जलडमरूमध्य को सामान्य यातायात के लिए लगभग बंद कर दिया। बाद में, उसने कुछ जहाजों को अपनी तटरेखा के करीब वैकल्पिक मार्गों से मोड़कर सुरक्षित मार्ग प्रदान करना शुरू किया, और कई बार इस सेवा के लिए शुल्क भी वसूला। अमेरिका की प्रतिबंध चेतावनी का मुख्य केंद्र संबंधित टोलबूथ जैसी व्यवस्था है। ओएफएसी के अनुसार, भुगतान की मांगों में केवल नकद ही नहीं, बल्कि ''डिजिटल परिसंपत्तियां, समायोजन, अनौपचारिक अदला-बदली, या अन्य प्रकार के वस्तु-आधारित भुगतान'' भी शामिल हो सकते हैं।

सूर्यास्त 03-05-2026	6:24 बजे
सूर्योदय 04-05-2026	5:46 बजे

BSE	NSE
76,913.50	23,997.55
(-582.86)	(-180.10)

सोना	चांदी
15,541 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	257,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ब्लेम बवंडर

पुख्ता सबूत के बिना सदा,
होते मसले सब सारहीन।
ज्यों कोई खड़ा तबेले में,
हो मगन बजाए मधुर बीन।
मिडिया आरोपों को परखे,
पहले ढूंढे सच्ची जमीन।
वर्ना प्रचार के तंत्र श्रेष्ठ,
हो जायेंगे सारे मलीन।।

सहज स्मृति योग

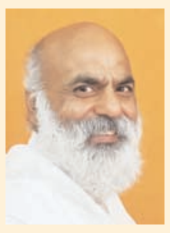

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, मानवता किधर जा रही है। कई सनातन धर्मी कहते हैं कि अभी तो कलियुग का पहला चरण ही चल रहा है आगे तो और भी अधिक निर्ममता देखने में आएगी। आप क्या कहते हैं ?

उत्तर: विश्वास की भूमि अलग है और उस भूमि पर हर कोई, चाहे वह सनातनी हो या किसी भी धर्म, मज़हब, रिलीज़न से ताल्लुक़ रखता हो, वह कोई भी ऐसी मान्यता मानने के लिए स्वतंत्र है जो न तो विधि विरुद्ध हो न ही किसी दूसरे के विश्वास करने के अधिकार का हनन करती हो। लेकिन वैज्ञानिक दृष्टि से देखने पर स्पष्ट होता है कि चेतना और संवेदना का निरंतर विकास ही हो रहा है। मैं तो यही कहूँगा कि मानवी हृदय में उत्तरोत्तर ममता और करुणा की अभिवृद्धि ही अधिक दिखती जाएगी। चैतन्य के स्थित पर सृजन, पालन और संहार सदा साथ साथ चलते हैं।

वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन में 3.53 लाख करोड़ रुपए के 2,792 एमओयू हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/भाषा। गुजरात सरकार ने दक्षिण गुजरात के लिए आयोजित 'वाइब्रेंट गुजरात' क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान 3,53,306 करोड़ रुपए के 2,792 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इन परियोजनाओं से आने वाले वर्षों में करीब 2.82 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। राज्य के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने यहां सम्मेलन के समापन समारोह में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दो दिनों के इस सम्मेलन में बड़े पैमाने पर निवेश प्रस्ताव सामने आए हैं, जो अगले तीन वर्षों में लागू होने पर रोजगार के अवसर पैदा करेंगे। उन्होंने बताया कि इससे पहले मेहसाणा (उत्तर गुजरात) और राजकोट (सौराष्ट्र-कच्छ) में भी ऐसे क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं। सरकार ने 'वाइब्रेंट गुजरात' पहल को राजधानी गांधीनगर से बाहर विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचाया है, ताकि अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

सांघवी ने कहा कि इन सम्मेलनों का उद्देश्य छोटे कारोबारियों को वैश्विक अवसरों से सीधे जोड़ना है। उन्होंने बताया कि दक्षिण गुजरात के उद्यमियों को रवांडा, अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर और जापान सहित 20 देशों के प्रतिनिधियों से मिलने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान ऐसे उद्योगों को बढ़ावा देने पर है, जो विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार पैदा कर सकें।

दिल्ली को सिर्फ पारगमन केंद्र नहीं, पर्यटन स्थल के रूप में देखा जाना चाहिए : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि दिल्ली को पारगमन केंद्र के बजाय एक पर्यटन स्थल के रूप में देखा जाना चाहिए। पर्यटन हितधारकों के सम्मेलन में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते दिल्ली की अपनी अनूठी विशेषताएं हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम पर्यटन क्षेत्र में दिल्ली की सकारात्मक छवि को फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि पर्यटक इस शहर को केवल एक पारगमन बिंदु के रूप में नहीं बल्कि एक गंतव्य के रूप में देखें और इसकी अनूठी विशेषताओं का आनंद लें।'' उन्होंने कहा, ''दिल्ली में कई ऐतिहासिक स्मारक और आकर्षण के केंद्र हैं जिन्हें पर्यटक देखना चाहते हैं। लोग संसद भवन, राष्ट्रपति भवन और कई अन्य स्थानों को देखना चाहते हैं।'' गुप्ता ने कहा कि पिछले एक साल में दिल्ली सरकार ने पर्यटन तंत्र को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें दिल्ली फिल्म महोत्सव, दिल्ली पर्यटन बोर्ड का विकास और प्रमुख स्थानों पर एक मजबूत सूचना प्रणाली का कार्यान्वयन शामिल है।

सम्मेलन में उपस्थित पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि सरकार दिल्ली में फिल्म शूटिंग के लिए एकल-खिड़की मंजूरी देने की योजना बना रही है।

राज्यसभा को अमेरिका की सीनेट की तर्ज पर पुनः परिकल्पित किया जाना चाहिए : कविता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना रक्षा सेना की संस्थापक के. कविता ने शनिवार को प्रस्ताव रखा कि राज्यसभा को अमेरिका की सीनेट की तर्ज पर पुनः परिकल्पित किया जाना चाहिए, ताकि राज्यों को प्रभावित करने वाले कानूनों के भाग्य का निर्धारण करने में उसे अधिक अधिकार मिलें।

कविता ने यह भी कहा कि परिसीमन के तहत सीटों की संख्या तय करने के लिए केंद्र को एक निश्चित जनसंख्या को मानक के रूप में अपनाना चाहिए, भले ही इस प्रक्रिया में कुछ राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जाए। हालांकि, ऐसे नुकसान की भरपाई हर राज्य को उसके आकार की परवाह किए बिना राज्यसभा में समान संख्या में सीटें देकर की जा सकती है। प्रेस से मिलिए कार्यक्रम के दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पूर्व बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव की उनकी आलोचना व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक है। उन्होंने कहा, परिसीमन में कुछ राज्यों को ज्यादा सीटें मिल सकती हैं और कुछ को कमयह अलग बात है। लेकिन राज्यसभा को अमेरिकी सीनेट जैसी शक्तियां दी जानी चाहिए। हर राज्य के लिए राज्यसभा में प्रतिनिधियों की एक निश्चित संख्या होनी चाहिए। उन्होंने कहा, राज्यसभा को सीनेट के समान अधिकार दिए जाने चाहिए, जहां वित्त विधेयकों सहित सभी विधेयकों को उसके समक्ष प्रस्तुत किया जाए। यदि राज्य सहमत न हों, तो विधेयक को रोक दिया जाना चाहिए। इस तरह राज्यों की शक्ति और महत्व के साथ-साथ उनकी राजनीतिक और वित्तीय सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

उनके अनुसार, सभी राज्यों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक राज्य के पास राज्यसभा में सीटों की निश्चित संख्या और मतदान अधिकार होने चाहिए।

केजरीवाल 'बदले की राजनीति' कर रहे हैं : भाजपा ने संदीप पाठक पर मुकदमा दर्ज करने को लेकर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/ चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब पुलिस द्वारा राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल बदले की राजनीति कर रहे हैं।

पाठक और छह अन्य राज्यसभा सदस्य हाल ही में आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा ने आरोप लगाया गया कि पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने दावा किया कि पुलिस की कार्रवाई गलत प्राथमिकताओं को दर्शाती है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''पंजाब पुलिस पाठक के आवास पर गई और छापेमारी की कोशिश की। हम पूछना चाहते हैं कि क्या कानून-व्यवस्था की स्थिति इतनी कमजोर हो गई है कि पुलिस मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने में असमर्थ है,लेकिन उसका इस तरह से इस्तेमाल किया जा रहा है?'' त्रिवेदी ने केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए कहा, ''जो लोग एक नई तरह की राजनीति करने का दावा करते हैं, उन्हें यह समझाना चाहिए कि उनके राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से कैसे ध्वस्त हो गई है।'' पंजाब के विपक्षी दलों ने शुक्रवार को आरोप लगाया था कि राज्य विधानसभा के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री मान शराब के नशे में आए थे।

बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी लोगों के लिए श्रद्धांजलि प्रकट करने का अवसर : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लेह में 'तथागत के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी' के उद्घाटन की शनिवार को सराहना की और कहा कि लद्दाख के लोगों के लिए यह श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अपने दो दिवसीय लद्दाख दौरे के दौरान लेह में तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और 2569वीं बुद्ध पूर्णिमा से जुड़े समारोह की शुरुआत की।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, कल बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर लेह में 'तथागत के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी' का उद्घाटन होना अत्यंत प्रसन्नता की बात है। उन्होंने कहा कि ये पूजनीय अवशेष पिपरहवा स्तूप से जुड़े हैं और 19वीं सदी के अंतिम वर्षों में इन्हें निकाला गया था। उन्होंने कहा कि ये भगवान बुद्ध की स्थायी शिक्षाओं का प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि यह प्रदर्शनी 14 मई तक जारी रहेगी और आने वाले दिनों में जांस्कर में भी आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा, यह लद्दाख के लोगों के लिए श्रद्धा प्रकट करने का एक अहम अवसर है और इससे क्षेत्र में आध्यात्मिक व सांस्कृतिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

तथागत बुद्ध के पिपरहवा अवशेष और गौतम बुद्ध से जुड़े अन्य प्राचीन पवित्र अवशेष एवं वस्तुएं बुधवार को लेह लाई गई थीं। ये अवशेष उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में नेपाल सीमा के पास स्थित पिपरहवा में मिले थे।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में आईईडी विस्फोट में डीआरजी के चार जवानों की मौत

कांकेर/भाषा। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में एक आईईडी विस्फोट में 'जिला रिजर्व गार्ड' (डीआरजी) के एक अधिकारी समेत चार जवानों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य को 31 मार्च को सशस्त्र माओवादियों से मुक्त घोषित किए जाने के बाद नक्सल गतिविधियों से जुड़ी विस्फोट की यह पहली घटना है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार छोटेबेठिया थानाक्षेत्र में कांकेर-नारायणपुर जिले की सीमा के पास सुरक्षाबलों को बारूदी सुरंग को निष्क्रिय करने और गश्त के लिए भेजा गया था। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के आदनार गांव के जंगल में बारूदी सुरंग को निष्क्रिय करने के अभियान के दौरान दुर्घटनावश विस्फोट हो जाने से तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई तथा एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि घायल जवान को बेहतर इलाज के लिए रायपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मृत्यु हो गई। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में आत्मसमर्पण कर चुके माओवादी कैडरों से प्राप्त जानकारी तथा अन्य सूचना के आधार पर बस्तर क्षेत्र में माओवादियों द्वारा पूर्व में छिपाकर रखे गए सैकड़ों आईईडी को पुलिस और सुरक्षाबलों ने बरामद कर निष्क्रिय कर दिए हैं। सुंदरराज ने बताया कि शनिवार का अभियान छोटेबेठिया इलाके में माओवादियों द्वारा छोड़ दिए गए सामानों (डंप) के बारे में मिली इसी तरह की जानकारियों के बाद शुरू किया गया था।

व्हाट्सऐप पर 'बॉस' बनकर 5.30 करोड़ रु. की चपत लगाई, 17 साइबर ठग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान पुलिस ने साइबर अपराधियों के बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 17 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने व्हाट्सऐप पर कथित तौर पर एक कंपनी के चेयरमैन की तस्वीर और नाम लगाकर अकाउंटेंट को झांसे में लिया तथा पांच करोड़ 30 लाख रुपए विभिन्न बैंक खातों में जमा करा लिए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस उपमहानिरीक्षक (साइबर अपराध) शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में अकाउंटेंट दीपेन्द्र सिंह ने 24 अप्रैल 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, दीपेन्द्र सिंह को कंपनी मालिक के नाम और फोटो वाले दूसरे व्हाट्सऐप नंबर से संदेश मिला जिसमें दो अलग-अलग बैंक खातों में तत्काल भुगतान करने के निर्देश दिए गए। भरोसा कर उसने 5.30 करोड़ रुपए जमा कर दिए। बाद में यह साइबर ठगी निकली। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस अधीक्षक (साइबर अपराध) सुमित मेहरडा की निगरानी में विशेष टीमों ने बैंक खातों की तकनीकी जांच की, जिसमें पता चला कि ठगी की रकम कई बैंक खातों में घुमाई गई और बाद में नकद निकासी 'यूएसडीटी' तथा हवाला के जरिए इसे ठिकाने लगाया गया। पुलिस ने जिला पुलिस कोटा ग्रामीण, पाली, बांसवाड़ा, जोधपुर और बाड़मेर जिला पुलिस के सहयोग से कार्रवाई करते हुए 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले, नकद निकासी करने वाले, कमीशन एजेंट और क्रिप्टोकरंसी के जरिए राशि अंतरित करने वाले लोग शामिल हैं।

गुजरात में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पलटी, दो लोगों की मौत 15 अन्य घायल

जूनागढ़ (गुजरात)/भाषा। गुजरात के जूनागढ़ जिले में एक बस के पलट जाने से दो महिलाओं की मौत हो गई और कम से कम 15 अन्य यात्री घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब एक नीलगाय अचानक सड़क पर आ गई। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह बस लगभग 40 यात्रियों को लेकर भावनगर से द्वारका और सोमनाथ की यात्रा पर जा रही थी।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, यह दुर्घटना मंगरोल कस्बे से कुछ किलोमीटर दूर रहीज गांव के पास दोपहर करीब तीन बजे हुई, जब चालक ने सड़क पर अचानक आई नीलगाय को देखा और वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा। जूनागढ़ के पुलिस उपाधीक्षक डी.वी. कोडियातर ने बताया, दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक यात्री घायल हुए हैं। घायलों को जूनागढ़ सिविल अस्पताल रेफर किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे, पीड़ितों की मदद की और प्रशासन को सूचना दी।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने आरटीसी संघों को विलय संबंधी कार्य योजना तैयार करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

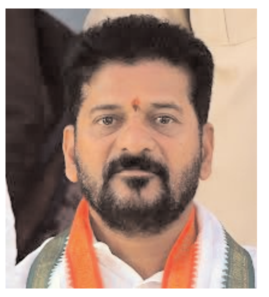

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य संचालित तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) के कर्मचारी संघों से अपनी मांगों को लेकर एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा है। इन मांगों में निगम के सरकार में विलय की प्रमुख मांग भी शामिल है।

रेड्डी ने शुक्रवार को यहां संघों के प्रतिनिधियों, राज्य परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर एवं अधिकारियों से मुलाकात की और आश्वासन दिया कि सरकार कर्मचारियों की वेतन संशोधन की मांग को पूरा करेगी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने कर्मचारियों द्वारा हाल में की गई हड़ताल के दौरान तीन दिन के वेतन के भुगतान और उनके खिलाफ दायर किए गए मामलों को वापस लेने की संघों की मांगों को पूरा करने पर भी सहमति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने नियुक्तियां कीं और निगम में बसों की संख्या भी बढ़ाई।

रेड्डी ने संघों से कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने गजुला रामाराम में बस अड्डे के निर्माण के लिए 100 एकड़ भूमि आवंटित की है। सरकार एक अन्य बस अड्डे के निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास 150 एकड़ भूमि आवंटित करेगी।

हड़ताल कर रहे आरटीसी कर्मचारियों और राज्य सरकार के बीच वार्ता 24 अप्रैल को सफलतापूर्वक समाप्त हुई तथा सरकार ने कर्मचारियों की प्रमुख मांगों को मान लिया।

कर्मचारियों की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) और कैबिनेट उप-समिति के नेताओं के बीच लंबी चर्चा के बाद सरकार ने घोषणा की थी कि उसने आरटीसी का सरकार में विलय, 11 प्रतिशत वेतन बढ़ोतरी और कर्मचारी संघों के चुनाव सहित विभिन्न मांगों को मान लिया है।

मादक पदार्थों के अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, जम्मू में तस्कर की अवैध संपत्ति जब्त

श्रीनगर/भाषा। कुलगाम पुलिस ने मादक पदार्थों के एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया और जम्मू के बेली चराना में आरोपियों से जुड़ी 92.73 लाख रुपए की अवैध रूप से अर्जित संपत्ति को जब्त कर लिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 20 मार्च को काजीगुंड रेलवे स्टेशन के पास कुरिगम में नियमित गश्त के दौरान पुलिस दल ने श्रीनगर के पंजिनारा निवासी मोहम्मद रफीक मीर नामक एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से लगभग 16 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। उन्होंने कहा कि स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की धारा 8/21 के तहत मामला दर्ज करके जांच शुरू की गई है। प्रवक्ता ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसने जम्मू के चन्नौर बस्ती गजांसू निवासी और वर्तमान में जम्मू के निक्की तवी में रह रहे बाघ हुसैन कसाना से प्रतिबंधित पदार्थ प्राप्त किया था। उन्होंने बताया कि कुलगाम पुलिस ने सक्षम न्यायालय से तलाशी वारंट प्राप्त कर व्यक्ति के आवास की तलाशी ली और वहां से 265 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया।

ऑनलाइन गेमिंग और फर्जी निवेश वेबसाइट को बढ़ावा देने वाली 184 प्रोफाइल हटाई गईं

हैदराबाद/भाषा। सोशल मीडिया मंच पर ऑनलाइन गेमिंग, सट्टेबाजी एप्लिकेशन और फर्जी निवेश वेबसाइट को बढ़ावा देने वाले 801 विज्ञापनों को पैसे लेकर प्रसारित करने के आरोप में 184 प्रोफाइल को पिछले महीने निष्क्रिय कर दिया गया है।

हैदराबाद पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक इन विज्ञापनों को रणनीतिक रूप से आसानी से पैसे कमाने, बोनस प्राप्त करने, किसी और की अनुशंसा करने पर कमीशन प्राप्त करने और निवेश पर अधिक मुनाफे का प्रलोभन देकर उपयोगकर्ताओं को आकर्षित करने के लिए डिजाइन किया गया था। इसमें कहा गया है कि साइबर अपराध इकाई ने निरंतर डिजिटल निगरानी और खुफिया जानकारी के आधार पर 184 सोशल मीडिया प्रोफाइल की पहचान की। विज्ञप्ति के मुताबिक ये प्रोफाइल व्यवस्थित रूप से प्रचार सामग्री, रेफरल लिंक, आईपीएल भविष्यवाणियां और प्रसिद्ध हस्तियों के डीपफेक वीडियो साझा कर लोगों को गैरकानूनी सट्टेबाजी और फर्जी निवेश योजनाओं में शामिल होने के लिए प्रलोभन दे रहे थे। पुलिस ने बताया कि सभी 184 प्रोफाइल की सूचना संबंधित मंचों को दे दी गई है और इस तरह की गैरकानूनी और भ्रामक सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए उन्हें हटा दिया गया है।

जेल और सुधारात्मक सेवा विधेयक का उद्देश्य जेलों का कायापलट करना : पंजाब मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के जेल मंत्री रवजोत सिंह ने कहा कि शुक्रवार को राज्य विधानसभा द्वारा पारित पंजाब कारागार एवं सुधार सेवा विधेयक, 2026 कारागारों को मात्र कैदखाने से बदलकर सुधार, पुनर्वास और सामाजिक पुनर्एकीकरण के केंद्र बनाने पर केंद्रित है। सिंह ने शनिवार को कहा कि इस विधेयक में कैदियों के मानवाधिकारों की रक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने तथा सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए कई प्रावधान शामिल किए गए हैं।

कैबिनेट मंत्री ने कारागारों में प्रौद्योगिकी के उपयोग पर प्रकाश डालते हुए कहा, यह विधेयक कारागारों में आधुनिक प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग को सुनिश्चित करता है, जिसमें ई-कारागार प्रणाली, डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन, बायोमेट्रिक पहचान, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, एआई-आधारित सीसीटीवी निगरानी, आरएफआईडी ट्रैकिंग और ड्रोन-रोधी प्रणाली शामिल हैं, जिससे कारागार प्रशासन में पारदर्शिता एवं दक्षता में उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने सुरक्षा उन्नयन के बारे में विस्तार से बताते हुए जानकारी दी कि अन्य कैदियों पर नकारात्मक प्रभाव को रोकने के लिए उच्च जोखिम वाले कैदियों के लिए उच्च सुरक्षा क्षेत्र बनाए जाएंगे और जेल की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक समर्पित अनुसंधान, विश्लेषण एवं खुफिया (आरएआई) शाखा स्थापित की जाएगी। सिंह ने कहा, विधेयक में आयु, लिंग, आपराधिक पृष्ठभूमि, स्वास्थ्य और व्यवहार के आधार पर कैदियों के वैज्ञानिक वर्गीकरण का प्रावधान है, जिसमें महिलाओं, ट्रांसजेंडरों, बुजुर्गों और बीमार कैदियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं शामिल हैं, जैसे कि अलग आवास, महिला कर्मचारियों की तैनाती और गर्भवती महिलाओं व बच्चों के लिए पर्याप्त सुविधाएं। मंत्री ने कहा कि जेलों के अंदर किए गए अपराधों के लिए सख्त दंड निर्धारित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि भागने का प्रयास, अधिकारियों को धमकी देना या प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी करना गंभीर अपराध माना जाएगा और उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

सिंह ने बताया कि पंजाब में वर्तमान में 25 कारागार हैं, जिनमें 10 केंद्रीय, छह जिला, चार विशेष, पांच उप-जेल, नाभा में एक खुली जेल और लुधियाना में निर्माणाधीन एक उच्च सुरक्षा जेल शामिल हैं।

मई की गर्मी से घबराने की जरूरत नहीं, सावधानी और तैयारी से स्थिति काबू में : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि मई में संभावित गर्मी को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

सिंह ने कहा कि मौसम पूर्वानुमान को सही ढंग से समझकर और दैनिक जीवन में सरल सावधानियां अपनाकर किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सकता है। उन्होंने अपने कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा, हालांकि कुछ क्षेत्रों में सामान्य से अधिक तापमान और लू की स्थिति देखी जा सकती है, लेकिन यह पूरे देश में समान रूप से नहीं होगी। समय पर तैयारी और समय-समय पर भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी सलाह का पालन करके इन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है। उन्होंने देश में बढ़ते तापमान के संदर्भ में यह टिप्पणी की।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार गर्मी से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और राज्य तथा जिला स्तर पर समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर भी बल दिया।

सिंह ने कहा कि पीने के पानी की उपलब्धता, शीतलन व्यवस्थाएं और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उनके अनुसार शिशुओं, बुजुर्गों और बाहरी कार्य करने वाले लोगों जैसे संवेदनशील समूहों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मौजूदा मौसम परिस्थितियां उत्तर और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में देर से होने वाली रबी फसलों की कटाई के लिए सामान्यतः अनुकूल हैं।

हालांकि, दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में स्थानीय स्तर पर गर्मी का प्रभाव (हीट स्ट्रेस) धान (बोरो), मक्का और दलहन जैसी कुछ ग्रीष्मकालीन फसलों को प्रभावित कर सकता है।

जितेंद्र सिंह ने कहा, किसानों को सलाह दी गई है कि वे खेतों में काम सुबह और शाम के समय करें, हल्की और बार-बार सिंचाई करें तथा पशुधन के लिए भी सुरक्षात्मक उपाय अपनाएं।

स्टालिन ने जीत की संभावना पर चर्चा के लिए गठबंधन नेताओं के साथ बैठक की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के सिलसिले में चार मई को होने वाली मतगणना से पहले अपनी पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करने के बाद, मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को द्रमुक गठबंधन के नेताओं के साथ जीत की संभावनाओं पर चर्चा की।

कोडाइकनाल में चार दिन की छुट्टी बिताने के बाद, स्टालिन ने अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ दो बार बैठक की और उनके संबंधित क्षेत्रों की जमीनी स्थिति पर चर्चा की। इसके बाद, द्रमुक प्रमुख ने अपने पार्टी मुख्यालय, अन्ना अरिवलयम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागई और कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके) के महासचिव ई आर ईश्वरन के साथ बैठक की। द्रमुक सूत्रों ने बताया कि स्टालिन ने उनके निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना की निगरानी से संबंधित तैयारियों के बारे में भी जानकारी ली। केएमडीके ने दो विधानसभा क्षेत्रों में द्रमुक के चुनाव चि पर चुनाव लड़ा है।

गठबंधन नेताओं के साथ स्टालिन की बैठक में पार्टी के उपमहासचिव ए राजा, संगठन सचिव आर एस भारती, संचार प्रकोष्ठ के प्रमुख टी के एस एलंगोवन और सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के सचिव टी आर बी राजा भी उपस्थित थे। द्रमुक ने 164 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ा, जबकि उसकी सहयोगी कांग्रेस ने 28 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ा। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को हुआ था और मतगणना चार मई को होगी।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने 12वीं के छात्रों के लिए सहायता केंद्र की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शनिवार को यहां 12वीं कक्षा के छात्रों को शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कॉलेज में दाखिले में सहायता प्रदान करने के लिए सहायता केंद्र की शुरुआत की।

तमिलनाडु में 12वीं की बोर्ड परीक्षा के परिणाम आठ मई को घोषित होने की उम्मीद है। ऐसे में राज्य के सभी जिलों में संचालित होने वाला 'टीएससी-सहायता केंद्र' उच्च शिक्षा में प्रवेश करने वाले आठ लाख से अधिक छात्रों को सहायता प्रदान करेगा।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता ने कहा कि सहायता केंद्र विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करेगा, दाखिले के लिए साक्षात्कार की सुविधा देगा और छात्रों को नान मुधलवन जैसी सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करेगा।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किया गया सहायता केंद्र छात्रों को कॉलेज में आवेदन करने के लिए फॉर्म भरने में मदद करने के अलावा, उन्हें करियर संबंधी मार्गदर्शन भी प्रदान करेगा।

टीवीके ने सभी मतगणना केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। अभिनेता से नेता बने विजय के नेतृत्व वाली पार्टी तमिझगा वेत्री कड़गम (टीवीके) ने शनिवार को निर्वाचन आयोग से सभी मतगणना केंद्रों और उनके आसपास अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात करने का आग्रह किया।

तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव 23 अप्रैल को संपन्न हुए थे और मतों की गिनती चार मई को होगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी अर्चना पटनायक को लिखे पत्र में टीवीके के महासचिव आधव अर्जुन ने निर्वाचन आयोग से प्रत्येक मतगणना केंद्र के बाहर एक 'सुरक्षित क्षेत्र' बनाने का आग्रह किया। श्रीरंगम निर्वाचन क्षेत्र में असामाजिक तत्वों द्वारा टीवीके के दो पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ किए जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, असामाजिक तत्वों द्वारा इस तरह की तोड़फोड़ की योजना शांतिपूर्ण मतगणना प्रक्रिया में बाधा डालने और पार्टी के मतगणना एजेंट व उम्मीदवारों को उनके चुनावी कर्तव्यों का पालन करने से रोकने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से बनाई जा रही है।

उन्होंने पत्र में कहा, अतः, सभी मतगणना केंद्रों और उनके आसपास गैर-कानूनी गतिविधियों को रोकने तथा पार्टी उम्मीदवारों व टीवीके एजेंट की व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हम मुख्य निर्वाचन अधिकारी से अनुरोध करते हैं कि वे संबंधित अधिकारियों को पूरे तमिलनाडु के मतदान केंद्रों पर पर्याप्त सशस्त्र पुलिस बल तैनात करने और एक किलोमीटर की दूरी तक सुरक्षा घेरा बनाने के निर्देश जारी करें।

अंबुमणि ने मोदी से 2009 के बाद जन्मे लोगों के लिए सिगरेट बिक्री पर प्रतिबंध का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके)-नीत अंबुमणि रामदास ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया कि एक जनवरी 2009 या उसके बाद जन्मे व्यक्तियों के धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाने और उन्हें सिगरेट बेचे जाने पर रोक लगाने के लिए विधायी कदम उठाएं, ताकि एक 'धूम्रपान-मुक्त पीढ़ी' बनाई जा सके।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के पूर्व मंत्री अंबुमणि ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा, ''एक बार सिगरेट पर प्रतिबंध लागू होने के बाद, यह आने वाली पीढ़ियों को कानूनी रूप से तंबाकू उत्पादों तक पहुंच से वंचित करेगा।'' उन्होंने दावा किया, ''मैं अत्यंत तात्कालिकता और जिम्मेदारी की भावना के साथ उस गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दे की ओर आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए यह पत्र लिख रहा हूं, जो लाखों भारतीयों के जीवन को लगातार खतरे में डाल रहा है, विशेषकर युवा पीढ़ी के बीच, जो धूम्रपान से प्रभावित हो रही है।''

मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली पहली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार (2004-09) में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने देश भर में सार्वजनिक स्थानों पर सिगरेट पीने पर प्रतिबंध लगाया था।

अंबुमणि ने बताया कि वैश्विक स्वास्थ्य अनुमानों के अनुसार, लगभग 26 करोड़ 70 लाख भारतीय, यानी लगभग हर पांच में से एक नागरिक, तंबाकू का सेवन करता है। उन्होंने कहा, ''हर साल तंबाकू के सेवन से सीधे तौर पर 13.5 लाख से अधिक मौतें होती हैं, जबकि परोक्ष धूम्रपान के संपर्क में आने से सालाना लगभग 23 लाख मौतें होती हैं।'' उन्होंने यह भी कहा, ''ये आंकड़े चिंताजनक हैं और एक व्यापक जन स्वास्थ्य संकट को दर्शाते हैं।''

अंबुमणि ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा, ''कैंसर के कुल मामलों में से लगभग 40 से 50 प्रतिशत के लिए तंबाकू जिम्मेदार है। तंबाकू-जनित कैंसर के कारण देश में हर साल 4.7 लाख से अधिक मौतें होती हैं।'' उन्होंने कहा, ''इस संदर्भ में, मैं केंद्र सरकार से पुरजोर आग्रह करता हूं कि वह ब्रिटेन की तरह एक परिवर्तनकारी कानून लागू करने पर विचार करे, जो एक विशिष्ट वर्ष (जैसे 2009) या उसके बाद जन्मे व्यक्तियों के लिए तंबाकू उत्पादों की बिक्री और उपभोग को स्थायी रूप से प्रतिबंधित करे।'' उन्होंने कहा कि इस तरह का पीढ़ीगत प्रतिबंध भारत में समय के साथ तंबाकू के उपयोग को समाप्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम होगा।

तमिलनाडु में ऊष्ण लहर जारी रहने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु तथा पुडुचेरी के तटीय इलाकों में अत्यधिक आर्द्रता और सामान्य से दो से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान रहने के कारण पांच मई तक ऊष्ण लहर जारी रहने की संभावना है। चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मौसम केंद्र की ओर से जारी बुलेटिन में अनुमान जताया गया है कि राज्य के चेन्नई (मीनाम्बक्कम), इरोड, करूर, नागपट्टिनम और वेल्लोर जिलों में तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा।

इसी तरह चेन्नई (नुंगमबक्कम), कोयंबटूर, कुड्डालोर, धर्मपुरी, कन्याकुमारी, कराईकल, डिंडीगुल, मदुरै, पुडुचेरी, सेलम और तिरुचिरापल्ली जिलों में तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस से तीन डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहने का अनुमान है। तमिलनाडु में शुक्रवार को सबसे अधिक अधिकतम तापमान (42.4 डिग्री सेल्सियस) वेल्लोर में दर्ज किया गया, जो 108.32 डिग्री फॉरेनहाइट के बराबर है। पहाड़ी इलाकों में उदगमंडलम में सबसे कम न्यूनतम तापमान (12.2 डिग्री सेल्सियस) दर्ज किया गया। राज्य के 15 से अधिक जिलों में तापमान 100 डिग्री फॉरेनहाइट से अधिक दर्ज किया गया। शनिवार से चार मई तक नीलगिरि, थेनी, इरोड, सलेम, नमक्कल और डिंडीगुल जिलों में कहीं-कहीं गरज, बिजली चमकने तथा तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। तिरुनेलवेली के ऊथु में पिछले 24 घंटे में आठ सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई।

टीवीके नेता विजय ने अपनी वेलंकन्नी की यात्रा रद्द की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद धार्मिक यात्राओं पर निकले तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नेता विजय ने शनिवार को नागपट्टिनम जिले के वेलंकन्नी चर्च की अपनी प्रस्तावित यात्रा रद्द कर दी, जिससे उनके हजारों प्रशंसक निराश हो गए।

अभिनेता से नेता बने विजय राज्य में 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव के तुरंत बाद लगातार धार्मिक स्थलों के दौरे पर हैं। इससे पहले उन्होंने तिरुचेंदूर स्थित भगवान मुरुगन मंदिर और शिरडी साईं बाबा मंदिर जाकर पूजा-अर्चना की थी। तय कार्यक्रम के अनुसार, विजय को शनिवार तड़के वेलंकन्नी के प्रसिद्ध ईसाई तीर्थस्थल 'बेसिलिका ऑफ आवर लेडी ऑफ गुड हेल्थ' (वेलंकन्नी चर्च) जाना था। अपने पसंदीदा सितारे की एक झलक पाने के लिए चर्च और उसके आसपास हजारों प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। टीवीके के सूत्रों ने शनिवार को बताया कि विजय ने व्यक्तिगत कारणों से वेलंकन्नी की यात्रा रद्द कर दी है। हालांकि, सूत्रों ने यह भी कहा कि विजय रविवार को वेलंकन्नी जा सकते हैं।

आईयूएमएल ने मुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस के किसी नेता का समर्थन नहीं किया : मुनीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड (केरल)/भाषा। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के नेता एम के मुनीर ने शनिवार को कहा कि पार्टी ने केरल के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में कांग्रेस के किसी नेता को समर्थन नहीं दिया है।

आईयूएमएल की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पी. सैयद सादिक अली शिहाब थंगल ने बयान दिया था कि कांग्रेस नेता वी डी सतीशन ने विधानसभा चुनाव में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) का नेतृत्व किया। कुछ लोगों ने इस बयान को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में सतीशन के प्रति आईयूएमएल के समर्थन के तौर पर देखा।

मुनीर ने थंगल के इस बयान को लेकर एक मीडिया संस्थान से कहा कि पार्टी ने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर कोई पसंद जाहिर नहीं की है।

मुनीर ने कहा, ''थंगल ने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के बारे में कुछ नहीं कहा है। उन्होंने कहा था कि फैसला कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को करना है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास सक्षम नेतृत्व है और चार मई को चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार पर बिना देरी फैसला किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''हमें विश्वास है कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का फैसला पार्टी में स्वीकार किया जाएगा।''

पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि आईयूएमएल को लेकर यह डर पैदा करने की कोशिश की जा रही है और यह धारणा बनाई जा रही है कि यूडीएफ सरकार पार्टी के नियंत्रण में होगी। उन्होंने कहा, ''वे चाहते हैं कि आईयूएमएल कुछ भी न संभाले। वे दावा करते हैं कि अगर आईयूएमएल को गृह विभाग मिला तो दंगे होंगे। वे दावा करते हैं कि अगर शिक्षा विभाग आईयूएमएल को दिया गया तो केवल मुस्लिम विद्यालयों को ही अनुमतियां मिलेगी। सरकार जमात-ए-इस्लामी की छाया बनकर रह जाएगी।''

मुनीर ने कहा कि इस तरह की बातें जनता के बीच डर पैदा करने और विभाजन को गहरा करने के मकसद से कही जा रही हैं।

मध्य प्रदेश में क्रूज दुर्घटना में मारे गए लोगों में तमिलनाडु के पांच लोग शामिल

चेन्नई/भाषा। मध्य प्रदेश के बरगी बांध में क्रूज पलटने से मारे गए नौ लोगों में से तमिलनाडु के पांच पर्यटक थे। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को हुए हादसे में मारे गए तीन लोग तिरुचिरापल्ली के मूल निवासी थे और दो तिरुपुर के थे।

राज्य के मृतकों की पहचान तिरुचिरापल्ली निवासी आर कामराज (38), उनकी पत्नी करुकुझली (38) और उनके बेटे तमिल वेंधन (चार) के रूप में हुई है।

सूत्रों ने बताया कि हादसे में करुकुझली की रिश्तेदार पी सौभाग्या (42) और सौभाग्या का बेटा पी मयूरन (आठ) की भी मौत हो गई। ये दोनों तिरुपुर के रहने वाले थे।

तमिलनाडु के ईरोड में नहर में डूबने से दो नाबालिग भाइयों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईरोड (तमिलनाडु)/भाषा। ईरोड जिले में गर्मियों की छुट्टियों में अपने रिश्तेदार के यहां आए दो नाबालिग भाइयों की एक नहर में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

अरचलूर पुलिस के अनुसार, तिरुचिरापल्ली जिले के मुसिरी गांव के निवासी 17 वर्षीय संतोष और उसका 15 वर्षीय भाई संजय, क्रमशः 12वीं और 10वीं की परीक्षा देने के बाद कुछ दिन पहले अरचलूर के पास गोपालिपराई बस्ती में अपने एक रिश्तेदार के घर आए थे।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि दोनों लड़के पास की एक नहर में नहाने गए थे लेकिन वे गहरे पानी में चले जाने के कारण डूब गए।

जब वे काफी देर तक घर नहीं लौटे, तो उनके रिश्तेदारों को संदेह हुआ और उन्होंने चेन्निमलई स्थित अग्निशमन एवं बचाव सेवा को सूचना दी।

विभाग की एक बचाव टीम मौके पर पहुंची और कुछ देर की तलाश के बाद दोनों भाइयों के शव बरामद कर उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

अरचलूर पुलिस ने दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

अनवर ने कन्नूर में माकपा के बागी नेता कुन्हीकृष्णन से मुलाकात की, निजी भेंट बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर (केरल)/भाषा। संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के निर्दलीय उम्मीदवार पी. वी. अनवर और माकपा के बागी नेता वी. कुन्हीकृष्णन ने शनिवार को पय्यानूर स्थित कुन्हीकृष्णन के आवास पर मुलाकात की।

वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के पूर्व विधायक अनवर ने पार्टी छोड़ दी और कोझिकोड के बेपोर से यूडीएफ समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में विधानसभा चुनाव लड़ा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पूर्व नेता कुन्हीकृष्णन को पय्यानूर के मौजूदा विधायक टी. आई. मधुसूदनन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के बाद पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था और बाद में उन्होंने यूडीएफ समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में विधानसभा चुनाव लड़ा था। पत्रकारों से बात करते हुए अनवर ने कहा कि यह एक निजी यात्रा थी।

उन्होंने कहा, कुन्हीकृष्णन ने 'पिनराईवाद', तानाशाही और परिवारवाद के विरोध में पार्टी छोड़ी थी। इन्हीं कारणों से मैंने डेढ़ साल पहले एलडीएफ छोड़ी थी। चूंकि हम दोनों ने एक ही तरह की नीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और चुनाव लड़े, इसलिए इस मुलाकात का उद्देश्य अपना समर्थन देना था।

अनवर एलडीएफ छोड़ने के बाद तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। हालांकि, उन्होंने हाल में पार्टी से इस्तीफा दे दिया और केरल तथा राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस को समर्थन देते हुए समान विचारधारा वाले लोगों को मिलाकर एक नया राजनीतिक संगठन बनाने की योजना की घोषणा की। पिछले महीने उन्होंने कहा था कि नई पार्टी का गठन 15 मई तक कर दिया जाएगा।

तनूर नौका दुर्घटनाः वी के मोहनन आयोग ने सुरक्षा सिफारिशों के साथ अंतिम रिपोर्ट सौंपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल के मलप्पुरम जिले में 2023 में हुई तनूर नौका दुर्घटना की जांच के लिए गठित न्यायमूर्ति वी. के. मोहनन जांच आयोग ने अपनी कार्यवाही पूरी कर ली है और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंप दी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

आयोग के कार्यालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, न्यायमूर्ति वी. के. मोहनन ने तकनीकी विशेषज्ञों एस. सुरेश कुमार और के. पी. नारायणन के साथ 30 अप्रैल को मुख्यमंत्री के कार्यालय में 14 खंडों वाली अंतिम रिपोर्ट उन्हें सौंपी।

सात मई, 2023 को तनूर के पूरप्पुझा मुहाने पर हुई नौका दुर्घटना की जांच के लिए आयोग का गठन किया गया था, जिसमें 22 लोगों की जान चली गई थी।

बयान में कहा गया कि जांच को इसके निर्धारित दायरे के आधार पर दो चरणों में संचालित किया गया।

चार दिसंबर, 2025 को प्रस्तुत की गई पहले चरण की रिपोर्ट में दुर्घटना की तात्कालिक परिस्थितियों की जांच की गई और जिम्मेदार व्यक्तियों तथा संस्थानों की पहचान की गई। इस चरण के अंतर्गत, आयोग ने तिरूर में 18 महीनों तक बैठकें कीं, जिनमें 51 गवाहों और 91 दस्तावेजों की जांच की गई। तीस अप्रैल, 2026 को प्रस्तुत की गई दूसरे और अंतिम चरण की रिपोर्ट में व्यवस्थागत मुद्दों पर विचार किया गया, जिनमें मौजूदा लाइसेंसिंग और प्रवर्तन तंत्र की प्रभावशीलता, भविष्य के सुरक्षा उपाय और राज्य में पिछली नौका दुर्घटनाओं के बाद की गई कार्रवाइयों की समीक्षा शामिल है।

अंतिम चरण के लिए, आयोग ने सभी 14 जिलों में 21 सार्वजनिक परामर्श सत्र आयोजित किए और अधिकारियों तथा आम जनता सहित 821 लोगों के बयान दर्ज किए। इस आयोग ने पर्यटक और यात्री नौका घाटों तथा पिछली बड़ी नौका दुर्घटनाओं के स्थलों का भी दौरा किया और जांच आयोग अधिनियम के तहत प्राप्त शक्तियों का उपयोग करते हुए विशेषज्ञ राय एवं विभागीय जानकारी प्राप्त की।

बयान में कहा गया कि अंतिम रिपोर्ट में 141 सिफारिश शामिल हैं जिनका उद्देश्य जल परिवहन सुरक्षा और लाइसेंसिंग प्रोटोकॉल में सुधार करना है ताकि ऐसी आपदाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

यह दुर्घटना तब हुई जब यात्रियों को ले जा रही एक पर्यटक नौका पलट गई, जिसमें 15 बच्चों, पांच महिलाओं और दो पुरुषों सहित 22 लोगों की मौत हो गई।

पीएफआई से जुड़े राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के मामले में आरोपी की जमानत याचिका खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। कोच्चि में एक विशेष अदालत ने प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़ी कथित राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के मामले में एक आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) मामले में जांच कर रहा है। एनआईए मामलों के लिए विशेष अदालत के न्यायाधीश पी.के. मोहनदास ने 29 अप्रैल को पलक्कड़ के कोट्टानाडु निवासी शाहुल हमीद द्वारा दायर जमानत याचिका को खारिज कर दिया। शाहुल हमीद 2022 के उस मामले में 50वां आरोपी है जो पीएफआई की कथित राष्ट्रविरोधी गतिविधियों से जुड़ा है, जिसमें आरएसएस कार्यकर्ता श्रीनिवासन की हत्या भी शामिल है।

हमीद को एनआईए की कोच्चि इकाई ने 11 नवंबर, 2025 को गिरफ्तार किया था। आरोपी के वकील ने दलील दी कि हमीद पर आरोप है कि उसने एक अन्य आरोपी को शरण दी थी और उस पर कोई गंभीर प्रत्यक्ष अपराध का मामला नहीं है, जिसके लिए उसे लंबी कैद की सजा दी जाए। इस दलील का विरोध करते हुए एनआईए ने कहा कि हमीद पीएफआई का एक सक्रिय कार्यकर्ता रहा है जो जानबूझकर एक आतंकवादी गिरोह का सदस्य बना, जिसका गठन कथित तौर पर संगठन द्वारा आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए किया गया था।

एजेंसी ने आरोप लगाया कि हमीद ने हत्या की साजिश रचने के लिए 16 अप्रैल, 2022 को पलक्कड़ के जिला अस्पताल के पीछे एक खाली प्लॉट पर हुई एक बैठक में हिस्सा लिया जहां श्रीनिवासन की हत्या की साजिश रची गई थी। एनआईए ने आरोप लगाया कि हत्या के बाद उसने हमलावरों में से एक को अपने घर में पनाह दी थी। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद अदालत ने पाया कि गवाहों के बयानों के अलावा, ऐसे सबूत भी मौजूद हैं जिनसे प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि याचिकाकर्ता ने अपराध को अंजाम देने में सक्रिय भूमिका निभाई थी। अदालत ने गौर किया कि हमीद द्वारा पहले दायर की गई इसी तरह की जमानत याचिका को विस्तृत विचार-विमर्श के बाद खारिज कर दिया गया था और तब से परिस्थितियों में कोई बदलाव नहीं आया है।

केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश, आईएमडी ने चार जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के विभिन्न भागों में शनिवार को भारी बारिश हुई, जिसके बाद आईएमडी ने राज्य के चार जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया। आईएमडी ने एर्नाकुलम, त्रिशूर, इडुक्की और मलप्पुरम जिलों के लिए अपरा ढाई बजे से तीन घंटे के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने इन जिलों के विभिन्न हिस्सों में बिजली गरजने और 50 किलोमीटर प्रतिघंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया है। आईएमडी ने इस सप्ताह की शुरुआत में तीन मई तक राज्य के कुछ हिस्सों में 4050 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और बिजली की गरज के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान जताया था। 'ऑरेंज अलर्ट' 11 से 20 सेंटीमीटर तक यानी बहुत भारी बारिश होने के अनुमान के मद्देनजर जारी किया जाता है।

स्वागत

कांग्रेस नेता और राजस्थान के विधायक सचिन पायलट का शनिवार को राजस्थान के सीकर जिले में पहुंचने पर समर्थकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

नीट-यूजी के लिए 611 केंद्र बनाए गए, विशेष ट्रेन चलेंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा- स्नातक (नीट-यूजी) के लिए राजस्थान में 611 केंद्र बनाए गए हैं और प्रशासन ने परीक्षा के सुचारू आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा के दौरान केंद्रों के 300 मीटर के दायरे में फोटोकॉपी, साइबर कैफे और अन्य संबंधित दुकानें बंद रहेंगी। उत्तर पश्चिम रेलवे ने भी परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। अधिकारियों ने बताया कि नीट-यूजी 2026 का आयोजन तीन मई को राज्य के 27 जिलों के 611 केंद्रों पर किया जाएगा। राज्य के 'कोचिंग हब' कहे जाने वाले कोटा और सीकर के साथ-साथ राज्य की राजधानी जयपुर तथा अन्य संवेदनशील शहरों में अतिरिक्त निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि परीक्षा के दिन केंद्रों के 300 मीटर के दायरे में ई-मित्र, फोटोकॉपी और साइबर कैफे जैसी दुकानें बंद रहेंगी। संबंधित शहरों के प्रशासन से परीक्षा केंद्रों पर छाया, पेयजल और प्राथमिक उपचार की समुचित व्यवस्था करने को कहा गया है। इसके अलावा, नजदीकी अस्पतालों को ओआरएस के पैकेट और एंबुलेंस उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा वाले दिन सभी संबद्ध जिलों

के अधिकारियों को परिवहन की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य में परीक्षा वाले दिन सभी अभ्यर्थियों के लिए रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की व्यवस्था भी रहेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे ने नीट-यूजी परीक्षा को देखते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए जयपुर-अलवर और चूरू-जयपुर अनारक्षित परीक्षा विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है।

एक प्रवक्ता के अनुसार, गाड़ी संख्या 09717 चूरू-जयपुर अनारक्षित परीक्षा विशेष ट्रेन रविवार को चूरू से सुबह 6.10 बजे रवाना होगी और सुबह 11 बजे जयपुर जंक्शन पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में बिसाऊ, रामगढ़ शेखावाटी, फतेहपुर शेखावाटी, लक्ष्मणगढ़ सीकर, सीकर जंक्शन, पलसाना, रींगस, गोविंदगढ़ मलिकपुर, चौमूं सामोद और ढेहर का बालाजी रेलवे स्टेशन पर रुकेगी। इसमें 10 साधारण श्रेणी के डिब्बे होंगे।

प्रवक्ता ने बताया कि गाड़ी संख्या 09719 जयपुर-अलवर अनारक्षित परीक्षा विशेष ट्रेन रविवार को जयपुर जंक्शन से शाम 7.10 बजे रवाना होगी और रात 10.55 बजे अलवर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में गांधीनगर जयपुर, गैटोर जगतपुरा, खातीपुरा, बस्सी, दौसा, बांदीकुई, बसवा, राजगढ़ और मालाखेड़ा स्टेशन पर रुकेगी।

व्हाट्सएप पर बॉस बनकर लगाई 5.30 करोड़ की चपत, राजस्थान पुलिस ने 17 साइबर ठगों को दबोचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। राजस्थान में साइबर अपराधियों के एक बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन जयपुर ने 17 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने व्हाट्सऐप पर कंपनी के चेयरमैन की फोटो और नाम लगाकर अकाउंटेंट को झांसे में लिया और 5 करोड़ 30 लाख रुपये विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर करवा लिए। मामले में परिवादी दीपेन्द्र सिंह ने 24 अप्रैल 2026 को साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करवाई थी। परिवादी ने बताया कि वह गैलेक्सी माइनिंग कम्पनी में अकाउंटेंट है। उसे कंपनी मालिक के नाम और फोटो वाले दूसरे व्हाट्सऐप नंबर से संदेश मिला, जिसमें दो अलग-अलग बैंक खातों में तत्काल भुगतान करने के निर्देश दिए गए। भरोसा कर उसने 5.30 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए, बाद में यह साइबर ठगी निकली।

साइबर क्राइम पुलिस मुख्यालय के उप महानिरीक्षक शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि साइबर क्राइम पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा के सुपरविजन में विशेष टीमों ने बैंक खातों की तकनीकी जांच की। जांच में सामने आया कि ठगी की रकम कई बैंक खातों में घुमाई गई और बाद में नकद निकासी यूएसडीटी और हवाला के जरिए रकम को ठिकाने लगाया गया।

पुलिस ने जिला पुलिस कोटा ग्रामीण, पाली, बांसवाड़ा, जोधपुर और बाड़मेर जिला पुलिस के सहयोग से कार्रवाई करते हुए 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले, नकद निकासी करने वाले, कमीशन एजेंट और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए राशि ट्रांसफर करने वाले लोग शामिल हैं।

मामले में ङ्कपुलिस ने कोटा निवासी सोहेल खान, मोहम्मद राशीद, समीर, तोहिद मोहम्मद, नवीन सिंह चौहान, बांसवाड़ा निवासी अविनाश जैन, प्रवीण रावल, अमित रावल, भव्य गिरी, मुकेश चौहान, जोधपुर निवासी घनश्याम धतरवाल, राहुल आरडीएक्स, कमलेश, पाली निवासी दिपेन्द्र सिंह, वीरेन्द्र, हरीश और बाड़मेर निवासी सदराम को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में वकालत का छात्र, सैलून कर्मी और ऑटो पार्ट्स दुकानदार तक शामिल हैं। ये आरोपी बैंक खाते, पासबुक, चेकबुक और डेबिट कार्ड उपलब्ध कराने, नकद निकासी और कमीशन के बंटवारे के लिए चाय की दुकानों या थड़ियों पर मिलते थे ताकि किसी को शक न हो। कोटा कनेक्शन:

यहाँ के आरोपी ठगी की राशि को नकद निकालने और उसे क्रिप्टोकरेंसी में बदलने के केंद्र थे। मूलतः गुजरात निवासी तोहिद मोहम्मद कोटा ने वकालत की पढ़ाई करने के साथ-साथ इसने हेयर सैलून वालों के बैंक खाते खुलवाए और ठगी की राशि विड्रोल करवाकर ठगों तक पहुँचाई। सोहेल खान, मोहम्मद राशीद और समीर ये तीनों हेयर सैलून में काम करते थे। इन्होंने अपने खातों में ठगी की राशि मंगवाई और उसे 3 से 6 हजार कमीशन पर नकद निकालकर ठगों को देते।

कोटा में नीट की तैयारी कर रहे छात्र की छात्रावास की चौथी मंजिल से गिरकर मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' की तैयारी कर रहे उत्तराखंड के एक छात्र की शनिवार सुबह छात्रावास की चौथी मंजिल से कथित तौर पर गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र के लैंडमार्क सिटी इलाके में हुई। मृतक छात्र की पहचान उत्तराखंड के अल्मोड़ा निवासी 20 वर्षीय दीक्षित राजेश्वरी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह पिछले दो वर्षों से यहां एक कोचिंग संस्थान में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहा था।

पुलिस अधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि राजेश्वरी लैंडमार्क सिटी स्थित अपने छात्रावास की चौथी मंजिल पर एक कमरे में रहता था और वह वहीं से नीचे गिर गया। घटना की सूचना सुबह करीब सात बजे मिली, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। भारद्वाज ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद छात्र को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अधिकारी के अनुसार, शव को एमबीएस अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है तथा छात्र के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। परिजनों के कोटा पहुंचने पर शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। नीट की परीक्षा रविवार यानी तीन मई को आयोजित होने वाली है।

जयपुर सहित कई जगह तेज आंधी एवं बारिश

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर के कारण जयपुर समेत राजस्थान में कई स्थानों पर शनिवार सुबह तेज आंधी आई और बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के कई हिस्सों में दोपहर बाद भी तेज आंधी एवं बारिश जारी रहने की संभावना है। विभाग ने बताया कि जयपुर एवं सीकर सहित कई जिलों में शनिवार सुबह अचानक मौसम बदल गया तथा धूल भरी तेज आंधी चली एवं हल्की बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, लगातार आंधी चलने, बूंदाबांदी एवं बारिश से राज्य में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस गिरावट आई है। अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 41-43 डिग्री दर्ज किया जा रहा है जो औसत सामान्य तापमान के आसपास है। मौसम केंद्र के अनुसार, एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने तथा बंगाल की खाड़ी से आने वाली पूर्वी हवाओं के प्रभाव से राज्य में आगामी तीन-चार दिन 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है और कहीं-कहीं हल्की मध्यम बारिश हो सकती है।

दिया कुमारी ने बालिकाओं और महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीक आधारित कौशल प्रशिक्षण दिए जाने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण कौशल की ट्रेनिंग दिए जाने के निर्देश दिये। उन्होंने भविष्य में एआई की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए बालिकाओं और महिलाओं को कौशल विकास के प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एआई के इस दौर में तकनीकी प्रशिक्षण से ही महिलाओं की आजीविका सुनिश्चित हो सकती है। उन्होंने इस हेतु महिला अधिकारिता निदेशालय द्वारा गुणवत्तापूर्ण तकनीक आधारित प्रशिक्षण दिए जाने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने शनिवार को शासन सचिवालय में उनकी अध्यक्षता तथा महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार की उपस्थिति में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की आयोजित समीक्षा बैठक में उक्त निर्देश दिए। दिया कुमारी ने लाडो प्रोत्साहन योजना पर चर्चा कर पात्र लाभार्थियों को समय पर लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने काली बाई भील उड़ान योजना की समीक्षा करते हुए योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करने के लिए आवश्यक उपाय किये जाने के निर्देश दिए।

इसी के साथ उन्होंने शिक्षा सेतु योजना और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना और मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम योजना की भी समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बैठक में राज्य सरकार की बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे विद्युत, पेयजल और क्रियाशील शौचालय के कार्यों में तीव्र प्रगति लाने के निर्देश दिए।

साथ ही उन्होंने राज्य में आंगनबाड़ी केंद्रों पर आधारभूत सुविधाएं विकसित करने हेतु निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जो निर्माण कार्य पूरे हो गए हैं उनका उच्चाधिकारी निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन करें। इसी प्रकार उन्होंने प्रगतिरत कार्यों का भी निरीक्षण कर उनमें तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने लम्बित कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि इन कार्यो को शीघ्र प्रारम्भ करवाये जाने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही इस वर्ष आंगनबाड़ियों को 7 हजार 500 नए नंद घर विकसित करने के निर्देश दिए।

दिया कुमारी ने शासन सचिव महिला एवं बाल विकास एवं निदेशक आईसीडीएस के प्रयासों से राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों पर पात्र लाभार्थियों को एसआरएस के माध्यम से ढ्ढक्त पोषाहार वितरण 86 प्रतिशत होने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर सभी पात्र लाभार्थियों को ऋश्ड से ढ्ढक्त पोषाहार का वितरण किया जाए। उन्होंने इसके साथ ही पोषाहार की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत पिछले वर्ष के पोषण पखवाड़ा में प्रथम आने की सफलता को दोहराते हुए इस बार फिर से राजस्थान को देश में प्रथम स्थान पर आने की प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अन्य योजनाओं और कार्यक्रमों में विभाग को कड़ी मेहनत कर इसी प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर आग्रणी राज्य बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता से गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिए जाने के निर्देश दिए।

जलापूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा या लापरवाही नहीं होनी चाहिए : रवि जैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीगंगानगर। स्वायत्त शासन विभाग के सचिव रवि जैन एवं हाउसिंग बोर्ड आयुक्त अरविंद पोसवाल ने शनिवार को जिला मुख्यालय पर आरयूडीआईपी, एलएनटी के तहत संचालित विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण से पूर्व आयोजित बैठक में सचिव रवि जैन ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता आमजन को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिसमें नियमित एवं सुचारू जलापूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलापूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा या लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

पीएचईडी के डीएमए 32 क्षेत्र में स्थित सिहाग हॉस्पिटल के पास, विनायक विहार और जवाहरनगर सेक्टर डी में जलापूर्ति व्यवस्था का अवलोकन करने के दौरान उन्होंने कहा कि आरयूडीआईपी के अंतर्गत किए जा रहे कार्य शहरी विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, इसलिए इनकी गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। साथ ही सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि आमजन को शीघ्र लाभ मिल सके।

आयुक्त अरविंद पोसवाल ने भी अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए और फील्ड स्तर पर आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव, एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार, एडीएम सतर्कता रीना, पीएचईडी एसई विजय कुमार, दीपक माण्डन, मोनिंदरजीत सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

अशोक गहलोत का गुर्जर बाहुल्य क्षेत्र में भव्य स्वागत, राजनीतिक हालातों पर हुई चर्चा

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का शनिवार को किसान नेता हिम्मत सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यह स्वागत उस समय हुआ जब गहलोत पूर्व विधायक बृजेन्द्र सिंह सूपा की मूर्ति अनावरण समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। गुर्जर आरक्षण आंदोलन की ऐतिहासिक धरती माने जाने वाले वैर (बयाना) के भौंडा गांव में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर उनका अभिनंदन किया। मूर्ति अनावरण समारोह संपन्न होने के बाद, वापस लौटते समय मानपुर स्थित आर के ढाणी रेस्टोरेंट पर पूर्व मुख्यमंत्री ने टी-ब्रेक के लिए पड़ाव डाला। इस अनौपचारिक मुलाकात के दौरान किसान नेता हिम्मत सिंह ने अशोक गहलोत के साथ पूर्वी राजस्थान के वर्तमान राजनीतिक हालातों और सामाजिक समीकरणों पर विस्तार से चर्चा की।

बजट के समय प्रोजेक्ट की लागत का सही आकलन करे ताकि समय पर निर्माण पूरा हो सके : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिए है कि अधिकारी बजट के प्रस्ताव भिजवाते समय ही प्रोजेक्ट की लागत का सही आंकलन करे ताकि प्रोजेक्ट में अनावश्यक देरी ना हो। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप बजट घोषणाओं को आमजन का लाभ मिल सके इसके लिए प्रोजेक्टस का समय पर पूरा होना जरूरी है। निर्माण भवन के सभागार में शनिवार को आयोजित पीडब्ल्यूडी की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने ये निर्देश दिए। उन्होंने कुछ प्रोजेक्टस के बार-बार अलाइनमेंट बदलने और लागत में वृद्धि पर नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए की अधिकारी प्राथमिक स्तर पर प्रस्ताव बनाते समय ही प्रोजेक्ट की संभावित लागत और अलाइनमेंट का बारीकी से आंकलन करके प्रस्ताव तैयार करें । उन्होंने बयाना बाईपास, बारां- अटरू आरओबी,जैतूपुरा- जयसिंहपुरा, भादरा बाईपास , नसीराबाद- सारवाड़- केकड़ी- देवली सड़क, मेज नदी पर हाई लेवल ब्रिज, सलूम्बर बाईपास सहित विभिन्न प्रोजेक्टस निर्माण में देरी के कारणों की समीक्षा कर इन्हें जल्द से जल्द चालू करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता के साथ तेजी से निर्माण कार्य पूरा करवाने के निर्देश दिए । इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने एनएच, एनएचएआई, सीआरआईएफ, आरएसआरडीसी सहित विभिन्न सड़क एवं अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की । बैठक में राज्य मंत्री मंजू बाघमार, विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव डी आर मेघवाल,मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव सुनील जय सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

विकसित भारत में नारी की सहभागिता महत्वपूर्ण : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी ने शनिवार को एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महिला महाविद्यालय में आयोजित पिनाकल -2026 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि युवा अपना लक्ष्य स्वयं तय करें। रुचि के विषय ही लें और कुंठाएं न पाले। उन्होंने कहा कि परिवार से संवाद बनाए रखें और मन के भावों को परिवार के सदस्यों को बताने मैं संकोच न करें। डॉ. देवनानी ने कहा कि विकसित भारत में नारी की सहभागिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवतियों का आह्वान किया कि वे अन्याय के प्रति सावचेत रहे, संस्कारवान बने और अपनी संस्कृति को कभी ना भूले। परिवार समाज और राष्ट्र के लिए जीए। टूटते हुए घरों को रोके। समाज के मूल्यों के प्रति दृढ़ता बनाए रखें। राष्ट्र के लिए रियल नारी बने। उन्होंने कहा कि भारत सर्वोपरि है। हम दुनिया में किसी से कम नहीं है। भारत विश्व गुरु था, है और रहेगा। डॉ. देवनानी ने कहा कि वार्षिक उत्सव परिश्रम, प्रतिभा और संस्कार के समन्वय का उत्सव है, जो उत्कृष्टता के शिखर की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने महाविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों और आत्मविश्वास का निर्माण कर समाज को सशक्त दिशा प्रदान कर रहा है। 'सुबोध' का वास्तविक अर्थ 'अच्छा ज्ञान' है, और यह संस्थान उसी उद्देश्य को साकार कर रहा है। स्पीकर देवनानी ने नारी शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जब एक नारी शिक्षित होती है, तो पूरा समाज शिक्षित होता है। भारतीय परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषी महिलाओं का उदाहरण दिया, जिन्होंने प्राचीन काल में ज्ञान-विमर्श में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. देवनानी ने कहा कि मर्यादा, अनुशासन, प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ कार्य करेंगे तो विकास स्वत: हो जाएगा।

देवनानी ने कहा कि आज की नारी अब घर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश की संसद और विधानसभाओं में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है।

बंगाल में मतगणना टेबल पर राज्य सरकार के एक कर्मचारी का होना जरूरी : सिब्बल

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना में समान अवसर की स्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक मतगणना टेबल पर राज्य सरकार के एक कर्मचारी होना बहुत जरूरी है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने यह भी कहा कि उन्होंने उच्चतम न्यायालय में दलील दी है कि पश्चिम बंगाल में मतगणना के लिए कर्मचारियों की तैनाती पर निर्वाचन आयोग के परिपत्र को अक्षरश: लागू किया जाना चाहिए क्योंकि इसमें कहा गया है कि मतगणना से जुड़े प्रत्येक मेज पर राज्य सरकार का कर्मचारी भी नियुक्त किया जाएगा।

सिब्बल ने बयान उस वक्त दिया है जब उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में मतगणना के लिए केंद्र सरकार के कर्मियों की तैनाती पर निर्वाचन आयोग के परिपत्र के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली तृणमूल कांग्रेस की याचिका पर कोई और आदेश आवश्यक नहीं है। इस मामले में सिब्बल ने टीएमसी की ओर से बतौर अधिवक्ता पेश हुए। सिब्बल ने संवाददाताओं से कहा, जब मैं किसी मामले में पेश होता हूं तो मैं आम तौर पर संवाददाता सम्मेलन भी करता हूं, लेकिन इस विशेष मामले में मुझे ऐसा करना पड़ा क्योंकि पश्चिम बंगाल चुनाव का नतीजा इस बात पर निर्भर करता है कि मतगणना कक्ष में क्या होता है। उनका कहना था, जब टीएमसी उच्च न्यायालय में गई, तो इसका आधार यह था कि निर्वाचन आयोग ने 13 अप्रैल को एक परिपत्र जारी किया था, जिसके बारे में 29 अप्रैल तक पार्टी को जानकारी नहीं थी। 29 अप्रैल को उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख किया था, जहां उन्होंने तर्क दिया कि टीएमसी को इसके बारे में जानकारी नहीं होने के कारण, परिपत्र जारी नहीं किया जाना चाहिए था, हालांकि अदालत ने उसे स्वीकार नहीं किया।

अंबेडकरनगर में चार सगे भाई-बहनों की बेरहमी से हत्या, पुलिस को मां पर अंदेशा

अयोध्या/अंबेडकरनगर (उप्र)/भाषा। अंबेडकर नगर में अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के मुरादाबाद मोहल्ले में कथित तौर पर एक ही परिवार के चार नाबालिग बच्चों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुरादाबाद उर्फ़ मीरानपुर मोहल्ले में शनिवार दोपहर करीब तीन बजे चार मंजिला मकान में चार बच्चों के खून से लथपथ शव मिले। उन्होंने कहा कि घटना के बाद से बच्चों की मां लापता है।

पुलिस के मुताबिक, अज्ञात परिस्थितियों में बच्चों की ईंट से कुचलकर हत्या की गई तथा गले पर धारदार हथियार से वार के निशान भी मिले हैं। उसने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पूरी तस्वीर स्पष्ट होगी। पुलिस के अनुसार मृत भाई–बहनों की पहचान शफीक, सऊद, उमर, और सादिया के रूप में हुई है। ये सभी नियाज़ (42) और नाज़िया खातून (37) के बच्चे थे।

नाज़िया बच्चों के साथ मीरानपुर में रहती थी, जबकि नियाज़ कई साल से सऊदी अरब में काम कर रहा है। अयोध्या परिक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सोमेन बर्मा ने बताया कि दोपहर करीब तीन बजे सूचना मिली कि घर में चार बच्चों के शव हैं जिसके बाद पुलिस मौके पहुंची। उन्होंने कहा कि सुबह से घर बंद होने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी थी।

पुलिस का कहना है कि बच्चों की मां नाज़िया घटना के बाद से लापता है। उसने कहा कि अपहरण या अनहोनी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस अधीक्षक (एसपी) प्राची सिंह ने बताया कि मृतकों में 14, 12 और 10 साल के तीन लड़के और आठ साल की एक लड़की शामिल है।

तरबूज तोड़ने पर 13 वर्षीय एक लड़के की हत्या कर दी गई

आगरा (उप्र)/भाषा। आगरा में 13 वर्षीय एक लड़के की कथित तौर पर अपने परिवार के खेत से तरबूज तोड़ने पर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक लड़के ने जिस खेत से तरबूज तोड़े थे, उसे उसके परिवार ने साझेदारों को पट्टे पर दिया था। आरोप है कि शुक्रवार को लड़के पर चाकुओं से हमला कर दिया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। जब वह देर शाम तक घर नहीं लौटा तो उसकी बहन उसे देखने के लिए खेत में गई, तो वहां खून से लथपथ उसका शव पड़ा हुआ था। बसई जगनेर थाना क्षेत्र के सोनी खेड़ा गांव में शुक्रवार शाम इस वारदात के बाद तनाव फैल गया, जिसके बाद कई थानों का पुलिस बल तैनात करना पड़ा।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) आगरा, आदित्य ने कहा कि हत्या के मामले में दो व्यक्तियों-- रियाजुद्दीन और शिराजुद्दीन को शुक्रवार रात गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि रियाजुद्दीन और सिराजुद्दीन लड़के के परिवार के खेत पर खेती करते हैं और साझेदार हैं। पुलिस उपायुक्त के अनुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर गांव में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

युवराज संधू तुर्किए में शीर्ष 10 में, शर्मा ने कट में जगह बनाई

बेलेक (तुर्किए)/भाषा। भारत के युवराज संधू ने एक अंडर 71 का कार्ड खेला और डीपी वर्ल्ड टूर के टर्किश एयरलाइंस गोल्फ ओपन के दूसरे दौर के बाद शीर्ष–10 में जगह बनाई।

शुभंकर शर्मा भी कट में जगह बनाने में सफल रहे , हालांकि उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा क्योंकि उन्होंने 13वें और 17वें होल के बीच पांच होल में पांच शॉट गंवा दिए, जिसमें तीन बोगी और एक डबल बोगी शामिल थी। उन्होंने तीन ओवर 75 का स्कोर बनाया और अब एक ओवर के साथ संयुक्त रूप से 57वें स्थान पर हैं। इससे पहले उन्होंने चार बर्डी और दो बोगी लगाई थीं। संधू ने चौथे, आठवें, 11वें और 14वें होल पर बर्डी लगाई, जबकि सातवें, 13वें और 17वें होल पर शॉट गंवा दिए।

जनगणना कार्यों के दौरान ''जाति गणना'' भी की जाएगी : शीतल वर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की जनगणना निदेशक एवं मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी ने शनिवार को कहा कि जनगणना के दौरान ''जाति गणना'' भी की जाएगी।

जनगणना निदेशक एवं मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी शीतल वर्मा ने यहां पत्रकारों से कहा, ''हम हर आम नागरिक तक पहुंच रहे हैं और उनकी गणना कर रहे हैं। हम घरों की गिनती कर रहे हैं और घरेलू संपत्ति के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रह रहे हैं। दूसरा चरण फरवरी में निर्धारित है और जब हम दूसरे चरण में जाएंगे तो व्यक्तिगत विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''उदाहरण के लिए, हम साक्षरता स्तर और व्यक्ति के व्यवसाय की प्रकृति पर डेटा एकत्र करने वाले हैं। इस बार, एक जाति गणना भी की जाएगी। जाति आधारित जनगणना वास्तव में की जाएगी।'' वर्मा ने कहा कि जो जनगणना होने वाली है वह आजादी के बाद से आठवीं और 1872 में शुरू हुई इस श्रृंखला की 16वीं जनगणना होगी। उन्होंने कहा, ''जनसंख्या के संदर्भ में, यदि आप आम तौर पर किसी विशेष स्थान पर रह रहे हैं, तो आपको उस क्षेत्र की आबादी का हिस्सा माना जाता है और आपकी गणना की जाएगी। जब तक आपके पास राजनयिक छूट न हो या आप किसी अन्य देश के नागरिक न हों, आपको जनसंख्या का हिस्सा माना जाएगा और आपकी गणना की जाएगी।'' वर्मा ने कहा कि क्षेत्र से तात्पर्य उस भौगोलिक क्षेत्र से है जिसकी सीमाएं जनगणना के उद्देश्य से प्रभावी रूप से ''स्थायी'' कर दी गई हैं । उन्होंने कहा, ''31 मार्च, 2027 तक ''कोई नई तहसील नहीं बनाई जाएगी, कोई नया राज्य नहीं बनाया जाएगा, कोई नया राजस्व गांव स्थापित नहीं किया जाएगा तथा कोई नया प्रशासनिक ब्लॉक गठित नहीं किया जाएगा।'' अधिकारी ने पत्रकारों से कहा, ''इस कदम के पीछे तर्क वह यह है कि पूरी होने के बाद, प्राप्त आंकड़ों को राजस्व–ग्राम–वार और वार्ड–वार प्रकाशित किया जाता है।'' उन्होंने कहा कि जनगणना अपनी तरह का एकमात्र ऐसा अभियान है जो वास्तव में सार्वभौमिक है। वर्मा ने कहा, ''हम हर एक नागरिक, हर व्यक्ति तक पहुंचेंगे और उनकी गिनती करेंगे।'' भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त, मृत्युंजय कुमार नारायण ने 30 मार्च को लोगों से गणना कर्मियों को सटीक जानकारी प्रदान करने की अपील की थी। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया था कि उनका व्यक्तिगत डेटा गोपनीय रहेगा और इसका उपयोग साक्ष्य के रूप में या किसी भी योजना के तहत कोई लाभ प्राप्त करने के लिए नहीं किया जा सकता है। नारायण ने कहा था कि सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत इसे किसी भी संगठन के साथ साझा नहीं किया जा सकता है, चाहे वह सरकारी हो या निजी, या अदालत में साक्ष्य के रूप में भी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

पाक जलडमरूमध्य पार करने वाले सात वर्षीय इशांक की मां ने कहा- कठिन प्रशिक्षण से मिली सफलता

रांची/भाषा। भारत और श्रीलंका के बीच स्थित पाक जलडमरूमध्य को तैरकर पार करने वाले सात वर्षीय इशांक सिंह की मां मनीषा ने शनिवार को कहा कि यह ऐतिहासिक उपलब्धि महीनों के कठिन प्रशिक्षण और प्रतिदिन सात से आठ घंटे के अभ्यास का परिणाम है।

इशांक ने 30 अप्रैल को श्रीलंका के तलाईमन्नार से अपनी तैराकी शुरू की और 29 किलोमीटर लंबे पाक जलडमरूमध्य को 9 घंटे 50 मिनट में पार कर तमिलनाडु के धनुषकोडी पहुंचकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। उसकी मां, मनीषा ने बताया कि इशांक ने महज तीन वर्ष की उम्र से तैराकी शुरू कर दी थी और उसकी रुचि हमेशा से लंबी दूरी की तैराकी में रही। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि पाक जलडमरूमध्य तैरकर पार करने के लिए इशांक पिछले छह महीनों से धुर्वा बांध में अभ्यास कर रहा था।

शहर के एक निजी अस्पताल का प्रबंधन देखने वाली मनीषा ने कहा, ''इतनी छोटी उम्र में भी वह रोज सात से आठ घंटे पानी में बिताता था। इसी समर्पण ने इस उपलब्धि को मुमकिन बनाया।''

ओडिशा में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'शक्ति श्री' मोबाइल ऐप की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को राज्य में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'शक्ति श्री' मोबाइल ऐप की शुरुआत की और 'इंटर्नशिप गाइडलाइन' पुस्तक का अनावरण किया।

दो–दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यबंशी सूरज की मौजूदगी में इनकी शुरुआत हुई। 'शक्ति श्री' ऐप का उद्देश्य छात्राओं के लिए सुरक्षा और संपर्क को बेहतर बनाकर उच्च शिक्षा संस्थानों में सहयोग तंत्र को मजबूत करना है। ऐप में 24 घंटे एवं सातों दिन एसओएस अलर्ट, उत्पीड़न की गुप्त शिकायत, मानसिक स्वास्थ्य सहायता जैसी सुविधाएं हैं और इसके जरिये उपयोगकर्ता संस्थागत आंतरिक शिकायत समितियों से संपर्क कर पाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'इंटर्नशिप गाइडलाइंस' भी जारी कीं, जिनका उद्देश्य पढ़ाई को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना है, ताकि छात्र इंटर्नशिप, सामुदायिक भागीदारी और कौशल–आधारित शिक्षा के जरिए नौकरी के लिए तैयार हो सकें।

वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भारी वृद्धि पर मायावती ने जताई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुई भारी वृद्धि पर चिंता जताते हुए शनिवार को कहा कि इससे आम जनजीवन पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस आशंका से लोगों में बेचैनी व्याप्त है कि जल्द ही रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।

मायावती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''देश में वाणिज्यिक सिलेंडर की कमी के बीच उसकी कीमत में एकमुश्त 993 रुपए की फिर से की गई वृद्धि और उसके आम जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभाव से जुड़ी खबरें सभी माध्यमों में प्रमुखता से सामने आ रही हैं। साथ ही, इस आशंका से लोगों में चिंता बढ़ी है कि जल्द ही रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें भी बढ़ेंगी ।'' उन्होंने कहा, ''इसका वास्तविक कारण चाहे अमेरिका–इजरायल का ईरान पर युद्ध हो या अन्य कोई वजह, सरकार ने जिस प्रकार राज्यों के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर खासकर पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को काफी हद तक नियंत्रण में रखा, उस नीति को वर्तमान में भी व्यापक जनहित और जनकल्याण के तहत जारी रखना देशहित में होगा।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली में भी नई दर के अनुसार वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत अब लगभग तीन हजार रुपए से अधिक हो जाएगी। बसपा प्रमुख ने कहा कि पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में इस प्रकार की बढ़ोतरी से पहले से ही महंगाई से त्रस्त गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों पर क्या प्रभाव पड़ेगा, इसका आकलन कर ही सरकार को अपनी नीतियां तय करनी चाहिए।

ओडिशा: 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत से अधिक छात्र उत्तीर्ण

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के विद्यालय एवं जन शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड ने शनिवार को कहा कि राज्य में दसवीं कक्षा के 5.36 लाख विद्यार्थियों में से 95 प्रतिशत से अधिक ने बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की है। मंत्री ने राज्य मुक्त विद्यालय प्रमाणपत्र (एसओएससी) और मध्यमा परीक्षाओं के परिणाम भी घोषित किए।

गोंड ने बताया कि 10वीं कक्षा की परीक्षा के लिए पंजीकृत 5.44 लाख विद्यार्थियों में से 5.36 लाख छात्र 19 फरवरी से दो मार्च के बीच राज्य भर के 3000 से अधिक केंद्रों पर परीक्षा में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित इस परीक्षा में कुल 5.19 लाख छात्र (95.33 प्रतिशत) उत्तीर्ण हुए हैं।

इस वर्ष भी लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया और परीक्षा में 2,63,152 लड़कियां व 2,56,099 लड़के उत्तीर्ण हुए।

मंत्री ने बताया कि 2,456 विद्यार्थियों ने ए1 ग्रेड, 15,681 ने ए2, 43,565 ने बी1 और 86,103 ने बी2 ग्रेड प्राप्त किया।

इसी प्रकार, 1,29,813 विद्यार्थियों ने सी ग्रेड, 1,46,152 ने डी और 95,481 विद्यार्थियों ने ई ग्रेड प्राप्त किया।

जमीन हड़पने के लिए एक व्यक्ति का अपहरण, उसके अश्लील वीडियो बनाये गए, दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पुलिस ने एक व्यक्ति का अपहरण करने, उसे नशीला पदार्थ पिलाने और ब्लैकमेल कर जमीन हड़पने की कोशिश करने के आरोप में शनिवार को एक 'प्रापर्टी डीलर' और उसकी महिला साथी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

उसने बताया कि आरोपियों ने पीड़ित का अश्लील वीडियो बनाकर उसके परिवार को धमकाया। पुलिस ने एक बयान में कहा कि गोसाईंगंज थानाक्षेत्र के मोहरीकला की रीता सैनी की शिकायत पर शुक्रवार को सुशांत गोल्फ सिटी थाने में मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि सुनील शुक्ला और उसके साथियों ने उनके पति हरिओम शिव वनमाली का अपहरण किया, उन्हें नशीला पदार्थ पिलाया और आपत्तिजनक हालत में वीडियो–फोटो बनाकर परिवार को धमकाया, ताकि उनकी जमीन पर जबरन कब्जा किया जा सके।

पुलिस ने कहा कि शिकायत के आधार पर 35 वर्षीय सुनील शुक्ला और उसकी महिला साथी आकांक्षा पांडे (30) को सुशांत गोल्फ सिटी के सरयू अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया तथा वारदात में इस्तेमाल काली एसयूवी भी जब्त कर ली गई है। पुलिस ने कहा कि राजू और नरेंद्र कुमार समेत अन्य नामजद आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे पीड़ित की जमीन खरीदना चाहते थे, लेकिन उसकी पत्नी के इनकार करने के बाद साजिश रची। आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उन्होंने 28 अप्रैल को पीड़ित को बहला–फुसलाकर गेस्ट हाउस बुलाया, नशीली शराब पिलाई और आपत्तिजनक वीडियो बनाया, ताकि ब्लैकमेल किया जा सके।

ओडिशा कंकाल मामला: पटनायक ने सीतारमण से हस्तक्षेप का अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के प्रमुख नवीन पटनायक ने ओडिशा की एक घटना से जुड़े मामले में शनिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से सहानुभूतिपूर्वक हस्तक्षेप का अनुरोध किया है, जिसमें एक व्यक्ति ने पैसा निकालने के लिए अपनी बहन का कंकाल निकालकर सबूत के तौर पर ग्रामीण बैंक के सामने पेश किया था।

पटनायक ने एक पत्र में सीतारमण से हाल ही में क्योंझर जिले में हुई इस घटना में तत्काल स्पष्ट जवाबदेही तय करने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा, मैं आपसे इस स्तब्धकारी घटना के लिए तत्काल स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करने का आग्रह करता हूं। इससे सभी ग्रामीण बैंकों को यह संदेश जाएगा कि वे नागरिक–केंद्रित सेवा वितरण को सहानुभूति और संवेदनशीलता के साथ सुनिश्चित करें।

पटनायक ने यह विश्वास भी जताया कि सीतारमण के ''संवेदनशील हस्तक्षेप'' से देश में कहीं भी लोगों के साथ इस तरह का अमानवीय व्यवहार दोबारा नहीं होगा।

बीजद प्रमुख ने कहा कि उन्होंने 27 अप्रैल को ओडिशा ग्रामीण बैंक की मल्लिपोसी शाखा में हुई घटना के संबंध में गहरी पीड़ा के साथ यह पत्र लिखा है।

पटनायक के अनुसार, जीतू मुंडा नामक व्यक्ति को बैंक से पैसे निकालने के लिए अपनी बहन का शव कब्र से निकालकर बैंक तक ले जाने के लिए मजबूर किया गया, ताकि उसकी मृत्यु का प्रमाण प्रस्तुत किया जा सके।

आदिवासी व्यक्ति मुंडा ने अपनी बहन कालरा मुंडा (56) के कंकाल अवशेषों को कब्र से निकाला, जिसकी जनवरी में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद वह करीब तीन किलोमीटर पैदल चलकर ओडिशा ग्रामीण बैंक की मल्लिपोसी शाखा तक पहुंचा और अधिकारी के सामने अवशेषों को उसकी मृत्यु के प्रमाण के रूप में पेश किया।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

ममता बनर्जी ने सत्यजीत रे की कृतियों को सिनेमा की अमूल्य धरोहर बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को फिल्मकार सत्यजीत रे को उनकी 105वीं जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनकी कालजयी कृतियां सिनेमा की दुनिया में हमेशा एक अमूल्य धरोहर बनी रहेंगी।

इस अवसर पर राज्य भर से और यहां तक कि बाहर से भी सैकड़ों लोग दिग्गज फिल्म निर्माता के '1 बिशप लेफ्रॉय रोड' स्थित आवास पर पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी। वहां सत्यजीत रे के बेटे संदीप रे और उनके परिवार के अन्य सदस्यों ने लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया। बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''रे की कालजयी कृतियां विश्व सिनेमा में एक अमूल्य धरोहर के रूप में बनी रहेंगी।'' दिग्गज फिल्मकार के पुत्र और निर्देशक संदीप रे ने एक सवाल के जवाब में कहा कि 'सोसाइटी फॉर द प्रिजर्वेशन ऑफ सत्यजीत रे फिल्म्स' द्वारा महान फिल्मकार के कार्यों के विशाल संग्रह को संरक्षण और डिजिटलीकरण के जरिए सुरक्षित करने की पहल पहले से ही जारी है। संदीप ने कहा कि उनके पिता की विरासत को सुरक्षित रखने के लिए भारत के साथ–साथ विदेश में भी काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ''हम कागजात को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की योजना पर पहले से ही काम कर रहे हैं। रेखाचित्रों से लेकर लेखन तक, सामग्रियों का एक विशाल भंडार है। हम इन सबको संभालने में काफी व्यस्त हैं।''

भाजपा ने मतदाताओं को गुमराह करने के लिए एग्जिट पोल में हेरफेर किया : गौरव गोगोई

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि भाजपा मतदाताओं में भ्रम पैदा करने के लिए एग्जिट पोल में हेरफेर कर रही है। गोगोई ने यहां विपक्षी गठबंधन के नेताओं की बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा लोगों को ''गुमराह'' करने की कोशिश कर सकती है, लेकिन सफल नहीं होगी। न तो विपक्षी दल और न ही राज्य की जनता एग्जिट पोल के जाल में फंसी है, और यह बात चार मई को मतगणना के दिन स्पष्ट हो जाएगी।'' विपक्ष के पक्ष में ''अंदरूनी लहर'' है, जिसे एग्जिट पोल सर्वेक्षणों में नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने दावा किया कि कई मतदाताओं, विशेषकर महिलाओं ने, महंगाई और सुशासन जैसे वास्तविक मुद्दों के आधार पर मतदान किया है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, ''भाजपा ईवीएम 'स्ट्रान्ग रूम' में धांधली करने की कोशिश कर रही है, लेकिन हमारे उम्मीदवारों और जागरूक जनता ने ऐसे कृत्यों को रोकने के लिए कई बार प्रशासन से संपर्क किया है।'' कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि एग्जिट पोल ''भ्रामक'' हैं और पार्टी को अपने सर्वेक्षण पर पूरा भरोसा है, जो दर्शाता है कि विपक्ष चार मई के बाद सरकार बनाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा मतगणना प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश कर रही है, लेकिन ''हम स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं और दिल्ली और गुवाहाटी दोनों में कानूनी सहायता कक्ष उपलब्ध हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''हम अपने उम्मीदवारों के हितों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं कि राज्य तंत्र का किसी भी प्रकार की गड़बड़ी के लिए इस्तेमाल न किया जाए।''

कोहनी में सूजन के कारण थॉमस कप सेमीफाइनल में नहीं खेलेंगे लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होर्सेंस (डेनमार्क)/भाषा। भारत को फ्रांस के खिलाफ होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले से पहले करारा झटका लगा है क्योंकि उसके स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन दाहिनी कोहनी में सूजन के कारण इसमें नहीं खेल पाएंगे और उनकी अनुपस्थिति में विश्व के 30वें नंबर के खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत कोर्ट पर उतरेंगे।

लक्ष्य ने क्वार्टर फाइनल में दो मैच प्वाइंट बचाकर विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन पर एक घंटे 28 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 18–21 22–20 21–17 से जीत दर्ज की, जिससे भारत ने चीनी ताइपे पर 3–0 से जीत हासिल की।

इस मैच के दौरान हालांकि लक्ष्य की कोहनी में चोट लग गई थी और वह अभी तक इससे पूरी तरह से नहीं उबर पाए हैं।

भारतीय बैडमिंटन संघ (बाइ) के सचिव संजय मिश्रा ने बयान में कहा, ''क्वार्टरफाइनल के एक कड़े मुकाबले में कई बार डाइव लगाने के बाद लक्ष्य की कोहनी में चोट लग गई। टीम के चिकित्साकर्मियों ने गहन जांच के बाद एहतियाती तौर पर यह फैसला किया। ताकि लक्ष्य चोट से उबर सके और अगर भारत फाइनल में पहुंचता है तो वह फाइनल के लिए पूरी तरह से फिट हो सकें।''

लक्ष्य के 'मेंटोर' (मार्गदर्शक) और पूर्व भारतीय कोच विमल कुमार ने पीटीआई से कहा, '' उनके पैरों में

छाले भी पड़ गए हैं।''

लक्ष्य की अनुपस्थिति में युवा आयुष शेट्टी विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ शुरुआती एकल मैच खेलेंगे। पोपोव ने 2024 में हाइलो ओपन में भारतीय खिलाड़ी को हराया था।

श्रीकांत दूसरे एकल मुकाबले में विश्व के 10वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्स लैनियर का सामना करेंगे।

तीसरे एकल खिलाड़ी के रूप में एचएस प्रणय का सामना विश्व के 17वें नंबर के खिलाड़ी टोमा जूनियर पोपोव से होगा, जिनका भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ 1–0 का रिकॉर्ड है।

यदि मुकाबला एकल से आगे बढ़ता है तो हरिहरन आमसकारुनन और एमआर अर्जुन पहले युगल मुकाबले में एलोई एडम और लियो रॉसी का सामना करेंगे।

अंतिम मैच में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का मुकाबला पोपोव बंधुओं से होगा।

मिश्रा ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि यह कोई झटका है। हमारे पास अच्छी टीम है, हर कोई आत्मविश्वास से भरा है और अगर हम यह मैच जीत जाते हैं, तो उम्मीद है कि लक्ष्य फाइनल के लिए उपलब्ध रहेगा।''

टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार मुकाबले आम तौर पर खिलाड़ियों की रैंकिंग के आधार पर होते हैं। प्रत्येक टीम के सर्वोच्च रैंकिंग वाले एकल और युगल खिलाड़ी आमने सामने होते हैं।

यदि खिलाड़ियों को एकल और युगल दोनों में प्रतिस्पर्धा करनी है, तो उन्हें युगल में जोड़ी बनाने से पहले अपने एकल मैच पूरे करने होंगे। फ्रांस के मामले में इसका मतलब है कि पहले तीनों एकल मैच खेले जाएंगे और उसके बाद युगल मैच होंगे।

भारत का सेमीफाइनल में पहुंचने से पदक पक्का हो गया है। भारत ने 2022 में थॉमस कप जीता था। उसने 1952, 1955 और 1979 में कांस्य पदक जीते थे।

सुविचार

जो हो गया उसे सोचा नहीं करते, जो मिल गया उसे खोया नहीं करते, हासिल उन्हें होती है सफलता, जो वक्त और हालात पर रोया नहीं करते।

ट्वीट

कल श्रीगंगानगर में अधिकारियों पर भाजपा विधायक द्वारा मारपीट के आरोप लगे थे, लेकिन आज उन अधिकारियों ने विधायक पर मारपीट के आरोप लगाने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस की और मीडिया को अपने शरीर पर लगी चोटें भी दिखाईं।

-अशोक गहलोत

आज मैंने अपने संसदीय क्षेत्र विदिशा में गेहूं खरीद के काम का डिटेल में रिव्यू किया। शुरुआती टेक्निकल दिक्कतों के बाद, स्लॉट बुकिंग और खरीद का काम अब युद्ध स्तर पर चल रहा है। चाहे सर्वर की दिक्कत हो या बोरियों की सप्लाई; हर रुकावट दूर कर दी गई है।

-ओम बिरला

कहानी

तलाश

महानगर की गगनचुंबी इमारत के एक फ्लोर पर बने कंपनी के ऑफिस के अपने चैम्बर में बैठा एच आर मैनेजर राजन दोपहर को फ़ुरसत के कुछ पलों में बंद खिड़की के कांच से बाहर दिखाई दे रहे समन्दर को देख रहा था। विस्तारित समन्दर का दूसरा छोर दूर-दूर तक नज़र नहीं आ रहा था। उस असीम विस्तार पर दोपहर के समय अपने पंखों को फैलाए उड़ते परिन्दों के अक्स लहरों पर दिखाई नहीं दे रहे थे। ठीक उसी तरह उसे भी जिस चेहरे से दोबारा रुबरू होने की पिछले लगभग पांच वर्षों से तलाश थी। वह चेहरा तो दूर उसका अक्स भी उसे कहीं नज़र नहीं आ रहा था। बरसों से उसके जेहन में भी एक चेहरे ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा रखी थी। उसे अपने दिल और दिमाग पर लगभग पांच वर्ष से अधिक समय से एक अजीब सा बोझ महसूस होता रहता था। जिसका जिक्र उसने किसी से नहीं किया था।

कम्पनी में उसके अधीनस्थ कर्मचारियों के पदों की नई भर्ती के लिए कुल रिक्त पदों की संख्या से लगभग तीन गुना अधिक आवेदन के ईमेल आए थे। महिला और पुरुष उम्मीदवारों ने पदों के लिए आवेदन किए थे। इनमें से बहुत उम्मीदवार कंपनी द्वारा तय की गई अपनी उम्र, शैक्षणिक योग्यता और कार्य अनुभव को पूरा करते थे। कुछ उम्मीदवार ऐसे भी थे जिन्हें उनकी उम्र और शैक्षणिक योग्यता होते हुए कार्य का पूर्व अनुभव नहीं था। कई उम्मीदवारों के चयन के लिए उसके पास सिफारिश के फोन आए थे। लेकिन राजन सिफारिश के कारण किसी उम्मीदवार का चयन कर दूसरे किसी योग्य उम्मीदवार को उसके चयन से वंचित नहीं रखना चाहता था।

नियत दिन और समय पर राजन ने अपने एक सहयोगी के साथ बुलाए गए आवेदन कर्ताओं के इंटरव्यू लेने शुरु कर दिए। तीन दिन तक चले इंटरव्यू के आखिरी दिन एक महिला के अलावा सभी उम्मीदवार सिफारिश वाले थे। इस दिन इंटरव्यू के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों में बुलाई गई महिला उम्मीदवार को देखकर राजन चौंक गया। वह बार-बार अपने सामने मेज पर रखे लैपटॉप की स्क्रीन पर उसके आवेदन के साथ सी वी और उसके चेहरे को पढ़ने की कोशिश करता रहा। एक बार तो उसे यकीन ही नहीं हुआ कि उसके सामने नेहा नाम की बैठी महिला वही थी जिसे वह आज तक ढूंढता रहा था। इतने वर्षों में राजन में तो शारिरिक रुप से बहुत बदलाव आ गए थे लेकिन नेहा ज्यादा नहीं बदली थी। नेहा को देखते ही उसके अंदर भावनाओं का समन्दर हिलोरें मारने लगा। तरह-तरह के भाव उसके चेहरे पर चढ़ने और उतरने लगे। उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि वह नेहा से क्या पूछे और क्या नहीं पूछे? लेकिन वह जानता था कि भावना से कर्तव्य हमेशा ऊपर रहता है। इसलिए उसने नेहा का इंटरव्यू लिया और उसके बारे में सभी जानकारी प्राप्त करने के बाद उसे अगले दिन सुबह ग्यारह बजे फाइनल इंटरव्यू के लिए आने के लिए कहा।

अपने घर पहुंचने के बाद राजन के दिमाग में नेहा को लेकर कई तरह के विचार आने लगे। उसे नेहा की तलाश जरुर थी लेकिन यह तलाश इस तरह पूरी होगी यह उसकी समझ से परे था। उसे नेहा पहले एक बार ही मिली थी। उसने उस मुलाकात में ही जान लिया था कि आधुनिक विचारों वाली खूबसूरत नेहा बिंदास और बेफ़िक्र ज़िंदगी जीने वाली लड़की थी। उस समय भी नेहा को मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों की भरपूर समझ थी। आज राजन अपनी नौकरी में जिस मुकाम पर था उसमें नेहा के अमूल्य योगदान को वह ताउम्र नहीं भूल सकता था। रात को नींद उसकी आँखों से मानो कोसों दूर चली गई थी। अपने बेड पर लेटे हुए वह नेहा से अपनी मुलाकात और अतीत की यादों में खो गया।

राजन बचपन से ही पढ़ने में होशियार था। गांव के स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा अव्वल दर्जे से पास करी थी। अल्पशिक्षित और आय के सीमित संसाधन होते हुए भी उसके परिवारजनों ने उसे आगे पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उसने आगे की पढ़ाई के लिए महानगर के एक नामी कॉलेज में एडमिशन लिया था। ग्रामीण परिवेश से आने और भाषा की कुछ समस्या होने के कारण कॉलेज में उसकी मित्रता या नजदीकियां किसी के साथ ज्यादा नहीं रही थी। नए माहौल में रहते हुए भी राजन ने ग्रेजुएशन की परीक्षा अच्छे नम्बरों से पास करी थी। इसके बाद एमबीए की पढ़ाई के लिए प्रवेश परीक्षा पास करने के बाद एडमिशन के लिए उसका चयन महानगर के प्रतिष्ठित एमबीए कॉलेज में हो गया था। उसकी आगे पढ़ने की इच्छा को देखते हुए इस बार भी परिवारजनों ने किसी तरह फ़ीस और अन्य खर्चों के लिए रुपयों की व्यवस्था कर उसके बैंक एकाउंट में भिजवाए थे। वह अपने परिवारजनों की आर्थिक स्थिति से अच्छी तरह से वाकिफ़ था। यही कारण था कि वह बहुत सोच समझकर जरुरी होने पर ही पैसे खर्च किया करता था।

एमबीए की पढ़ाई के लिए कॉलेज में फ़ीस जमा कराने के आखिरी दिन से एक दिन पहले ही उसके बैंक एकाउंट में परिवारजन रुपये भिजवा पाए थे। फ़ीस जमा करवाने का आखिरी दिन होने के कारण कॉलेज वाले केवल नकद रुपये के रूप में ही फ़ीस जमा कर रहे थे। वह सुबह बैंक से फ़ीस आदि के लिए रुपये निकलवाकर बस से कॉलेज पहुंच गया था। कुछ रुपये उसने अपने स्लिंग बैग में और कुछ रुपये उसने अपने पर्स में पेंट की जेब रख दिए थे। कॉलेज में पहुंचकर उसने देखा कि आखिरी दिन फ़ीस जमा करवाने वाला शायद वह अकेला छात्र था।उसने पर्स निकालने के लिए पेंट की जेब में हाथ डाला तो पाया कि वहां पर्स था ही नहीं। हैरान और परेशान राजन ने अपनी सभी जेबें संभाली, लेकिन उसे पर्स नहीं मिला। वह समझ गया था कि किसी ने बस में उसकी पॉकेट मार ली थी। उसने स्लिंग बैग में पड़े रुपये गिने जोकि फ़ीस के लिए पर्याप्त नहीं थे। उसने अपनी परेशानी वहां मौजूद कॉलेज के स्टॉफ के लोगों को बताई तो किसी ने उसकी बात पर ज्यादा गौर नहीं किया। उसे वहां कोई जानता भी नहीं था। उसकी व्यथा सुनने और मदद करने वाला उसे वहां कोई नहीं मिला। उसके इस शहर में किसी से ऐसे संबंध भी नहीं थे, जिससे वह कुछ समय के लिए रुपये उधार ले सके। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह फ़ीस जमा कैसे करवा पाएगा? परिवारजनों से भी इतनी जल्दी फ़ीस नहीं मंगवाई जा सकती थी। इन परिस्थितियों में कॉलेज में एडमिशन नहीं होने पर अपने भविष्य का सोचते हुए उसे डर लगने लगा था। उसे अपने चारों ओर अँधेरा ही अँधेरा नज़र आने लगा। अपने भविष्य को लेकर संजोए हुए सपने टुकड़े-टुकड़े होकर सामने बिखरते हुए उसे दिखने लगे थे। वह उन्हे समेटने की स्थिति में भी नहीं था। वह बार-बार अपनी जेबें टटोलने लगता। लेकिन हर बार उसे निराशा ही हाथ लगती। हताश और निराश होकर किसी तरह खुद को संभालते हुए वह धीमे कदमों से कॉलेज से बाहर आकर पास में ही बने हुए एक पार्क की बैंच पर सिर पर हाथ रखकर बैठ गया। उसकी आंखें नम हो गई थीं। इतने बड़े महानगर में उसे मदद करने वाला कोई नहीं दिख रहा था। स्लिंग बैग को बैंच पर रखकर वह आंखें बंद करके वहां बैठा हुआ अपने भविष्य के बारे में सोचने लगा।

अचानक किसी लड़की की आवाज सुनकर उसने आंखें खोली तो देखा कि एक बहुत खूबसूरत लड़की उससे बैंच पर बैठने की इजाजत मांग रही थी। उसे कुछ कहे बिना राजन ने अपना स्लिंग बैग उठाकर अपनी गोद पर रख लिया। उस लड़की ने बैंच पर बैठते हुए अपना हाथ उससे मिलाने के लिए आगे बढ़ाते हुए कहा, हाय, आ ' म नेहा ..... राजन ने न तो नेहा को कोई जवाब दिया और न ही उससे हाथ मिलाया। नेहा उससे हंसी मजाक करते हुए कई तरह के सवाल पूछने लगी। नेहा की बातों से परेशान होकर राजन ने उसे हाथ जोड़ते हुए कहा, मेरा कोई नाम नहीं है। मैं बेनाम हूं। मैं तुम्हें जानता तक नहीं और न ही जानना चाहता हूं। भगवान के लिए तुम चुप हो जाओ। यहां से कहीं ओर चली जाओ। मैं पहले से ही बहुत परेशान और दुखी हूं। मुझे और परेशान मत करो। मुझे मेरे हाल पर छोड़ दो। राजन की नम आंखें देखकर नेहा कुछ सोचने लगी और उसकी परेशानी जाननी चाही। नेहा के बार-बार पूछने पर राजन ने रुंधे गले से अपने साथ हुई पूरी घटना उसे एडमिशन से संबंधित कागजात दिखाते हुए बता दी। पूरी बात सुनकर नेहा ने हौसला बंधाते हुए उसकी मदद करने की पेशकश करी तो राजन को अपने कानों पर विश्वास ही नहीं हुआ कि जो वह सुन रहा था क्या वाकई वह सच था? राजन ने इसके लिए मना कर दिया। क्योंकि वह नेहा या उसके बारे में कुछ भी जानता तक नहीं था।

नेहा के बहुत समझाने पर कि यह उसके भविष्य का सवाल था। इंसान ही इंसान की मदद करता है और करनी भी चाहिए। राजन के मदद लेने के लिए मान जाने पर नेहा ने उससे पूछा, तुम्हें कॉलेज की फ़ीस भरने के लिए कितने रुपये की जरुरत है। कुछ संकोच करने के बाद राजन ने कहा, मुझे पंद्रह हजार रुपये की जरुरत है। नेहा ने अपनी जेब से रुपये निकालकर गिने तो आठ हजार रुपये थे। वे रुपये राजन को देकर और सात हजार रुपये पास के ही बैंक एटीएम से निकलवाकर लेकर आने का कहकर नेहा चली गई। नेहा ने वापिस आकर राजन को सात हजार रुपये देकर उसे तुरंत फ़ीस जमा कराने के लिए कहा। रुपये पाकर राजन की आंखों से आंसू झरने लगे। वह नेहा का शुक्रिया अदा करते हुए रुपये जल्दी ही लौटाने का बार-बार कहते हुए थक नहीं रहा था। उसे देखकर हंसमुख स्वभाव की नेहा ने कहा, मैं तो यहां एक टीवी चैनल के लिए मजाक के रूप में तुम्हारे साथ शरारत का एक वीडियो शूट करने आई थी। वो देखो सामने कैमरे लगे हैं। कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराते हुए हाय बोलो और कहो कि इंसान को इंसान की समय पर जरुरी मदद करनी चाहिए। राजन ने ऐसा ही किया और तेजी से कॉलेज की ओर रवाना हो गया। वह फ़ीस जमा करवाकर पार्क में आया तो देखा कि नेहा और टीम का कोई भी साथी वहां नहीं था। उसके पास न तो नेहा का मोबाइल नंबर था और चैनल का नाम या उसका कोई पता ठिकाना भी नहीं था। मानो किसी दैव्य शक्ति की तरह नेहा कुछ समय के लिए आकर उसके अंधकार से घिरे प्रतीत होते जीवन में रोशनी के असंख्य चिराग जलाकर चली गई थी।

वक़्त अपनी रफ़्तार से चल रहा था। कॉलेज में एडमिशन के बाद राजन ने नेहा को बहुत ढूंढा। बहुत ढूंढने पर भी वह उसे नहीं मिली। फाइनल ईयर की पढ़ाई पूरी करते हुए उसको कॉलेज कैम्पस प्लेसमेंट में एक मल्टीनेशनल कंपनी में एच आर मैनेजर के पद पर नौकरी इसी महानगर में मिल गई थी। उसका विवाह भी हुआ। लेकिन नेहा की तलाश उसने जारी रखी थी। नौकरी लगने के बाद बहुत वीडियो भी देखे लेकिन उसे नेहा नहीं मिली। उसे समझ नहीं आ रहा था कि उसके जीवन में प्रकाश करके नेहा कहां चली गई थी।

लगभग पांच वर्ष बाद नेहा मिली भी तो नौकरी की तलाश करती हुई मिली। इंटरव्यू में वह राजन को पहचानी नहीं थी। लेकिन उसको देखकर और उसका सी वी पढ़कर राजन को यकीन हो गया था कि वह नेहा ही थी। उसने अपने सी वी में कार्य अनुभव में पूर्व में प्रैंक वीडियो बनाने वाले चैनल में कार्य का उल्लेख किया था। कुछ समय पहले ही वह चैनल बंद हो जाने के कारण उसकी नौकरी चली गई थी। उसने कोशिश करी लेकिन उसे वीडियो शूट करने के अलावा मनचाही नौकरी नहीं मिल पाई थी। वह अब यह नौकरी नहीं करना चाहती थी। राजन ने नेहा से वीडियो शूट के दौरान किसी ऐसी घटना के बारे में पूछा जिसे वह कभी नहीं भूल सके। यह सुनकर नेहा ने कोई जवाब नहीं दिया। किसी व्यक्ति की मदद करने के बारे में नेहा ने कहा कि इंसान को इंसान की मदद करनी ही चाहिए। लेकिन उसका प्रचार नहीं करना चाहिए।

नेहा के पास कंपनी में नौकरी पाने के लिए शैक्षणिक योग्यता तो थी लेकिन कंपनी जैसे कार्य का पूर्व का अनुभव नहीं था। यह बात नेहा को भी पता थी। इंटरव्यू के दौरान राजन को महसूस हो गया था कि नेहा की परिस्थितियों को देखते हुए उसे नौकरी की बहुत जरुरत थी। उसकी बातें सुनकर राजन ने उसे अपने बारे में कुछ भी बताना उचित नहीं समझा था। वह नेहा की मदद करना चाहता था। उसके पास नेहा के आवेदन में लिखा नेहा का मोबाइल नंबर और पता होने के बाद भी उसने नेहा से कोई बात नहीं करी। वह नहीं चाहता था कि नेहा को कभी भी ऐसा लगे कि उसने कभी राजन की मदद की थी जिसके बदले वह आज उसकी मदद कर रहा था। इन्हीं सब बातों में खोए हुए सोचते हुए उसे कब नींद लग गई पता ही नहीं चला।

सुबह जब आंख खुली तो उसे लगा कि उसके सिर से कोई बड़ा बोझ उतर गया था। नेहा की नौकरी के बारे में वह फैसला कर चुका था। उसे विश्वास था कि कंपनी में चयन होने के बाद होने वाली दस दिन की ट्रेनिंग में नेहा कंपनी के बारे में जरुरी बातें सीख जाएगी। वह नेहा से पंद्रह हजार रुपयों की उस अमूल्य मदद का जिक्र कभी समय आने पर सोच समझकर कर लेगा सोचते हुए वह तैयार होकर समय पर ऑफिस पहुंच गया। सिफारिश करने वाले अपने उम्मीदवारों की नौकरी लग जाने के बारे में उसे फोन करने लगे थे। बिना किसी को जवाब दिए उसने अपने असिस्टेंट को कल तक चयनित हो चुके दोपहर के बाद बुलाए गए उम्मीदवारों के ऑफर लैटर तैयार करने के लिए कहा। असिस्टेंट द्वारा चयन के लिए रह गए एक उम्मीदवार का पूछने पर उसने नेहा का ऑफर लैटर तैयार करने के लिए कहा। फाइनल इंटरव्यू के लिए नियत समय पर आई नेहा से राजन ने इंटरव्यू में उसके द्वारा की गई किसी मदद के बारे में अपरोक्ष रुप से जानने की भी बहुत कोशिश करी, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। वह वास्तव में राजन को पहचान नहीं पाई थी। राजन ने नेहा को ऑफिस की लॉबी में रिजल्ट का इंतजार करने के लिए कहा। अपने मन में नौकरी मिलने की अनिश्चितता के साथ धीमे कदमों से वह राजन के चैम्बर से बाहर चली गई। लॉबी में अकेले बैठे उसके दिमाग में तरह-तरह के विचार आने लगे थे। इतनी बड़ी कंपनी में नौकरी मिलने पर वह अपना भविष्य सुरक्षित हो जाना मानती थी।

दोपहर बाद चयनित उम्मीदवार आकर ऑफिस की लॉबी में बैठने लगे थे। वह उनके चयन के बारे में नहीं जानती थी। कुछ देर बाद राजन के असिस्टेंट ने एक-एक को नाम से बुलाकर राजन से उसके चैम्बर में मिलने के लिए कहा। सभी उम्मीदवार राजन से मिलने के बाद ऑफर लैटर हाथ में लिए मुस्कुराते हुए बाहर आ रहे थे। यह देखकर नेहा की दिल की धड़कनें अधिक तेज हो गईं। क्योंकि उसको अपने चयन के बारे में कुछ नहीं पता था। नेहा का नाम पुकारा गया तो एक बार तो उसे विश्वास ही नहीं हुआ कि उसे ही बुलाया गया था। राजन ने उसे कंपनी का सदस्य बनने की बधाई देते हुए ऑफर लैटर दिया तो देखा कि नेहा की हम आंखों से आंसू टपकने लगे थे। नेहा ने राजन को कहा , सर, मुझे नौकरी दिलाने में आपने जो मदद करी उसे मैं ताउम्र नहीं भूल सकती। मैं जानती हूं कि मुझे इस कंपनी से संबंधित कार्य का कोई पहले का अनुभव नहीं होने के बाद भी आपने मुझ पर विश्वास रखा है। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। राजन नेहा से आंसू पोंछ लेने के लिए कहते हुए बोला, मैंने आपकी कोई मदद नहीं करी है। आप ही तो कहती हैं कि इंसान की जरुरी मदद करने पर उसे जताना या उसका प्रचार नहीं करना चाहिए। आपको सुनहरे भविष्य की शुभकामनाएं।

चैम्बर से बाहर निकलते समय नेहा के चेहरे पर मुस्कान थी। आशा और संभावनाओं से भरे खुले आसमान में उड़ने के लिए वह अब अपने पंख फैला सकती थी। उसकी नौकरी की अनिश्चितता के बादल छंट गए थे। सुनहरा भविष्य उसका इंतजार कर रहा था। राजन ने अपने चैम्बर की खिड़की खोलकर देखा कि समन्दर में आते जाते छोटे बड़े जहाजों के हूटरों की सुनाई देती आवाज उस दृश्य में ध्वनि की उपस्थिति दर्ज करा रही थी। समन्दर की लहरें बेरोकटोक आकर साहिल से टकराकर लौट रहीं थीं। उसे बरसों से जिस चेहरे की तलाश थी वह पूरी हो गई थी।

सुधीर केवलिया

फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

स्टैच्यू..!

संध्याकाल है। शब्दों का महात्म्य देखिए कि प्रत्येक व्यक्ति उनका अर्थ अपने संदर्भ से ग्रहण कर सकता है। संध्याकाल, दिन का अवसान हो सकता है तो जीवन की सांझ भी। इसके सिवा भी कई संदर्भ हो सकते हैं। इस महात्म्य की फिर कभी चर्चा करेंगे। संप्रति घटना और उससे घटित चिंतन पर मनन करते हैं। सो अस्त हुए सूर्य की साक्षी में कुछ सौदा लेने बाज़ार निकला हूँ। बाज़ार सामान्यत: पैदल जाता हूँ। पदभ्रमण, निरीक्षण और तदनुसार अध्ययन का अवसर देता है। यूँ भी मुझे विशेषकर मनुष्य के अध्ययन में ख़ास रुचि है। संभवत: इसी कारण एक कविता ने मुझसे लिखवाया, 'उसने पढ़ी आदमी पर लिखी किताबें/ मैं आदमी को पढ़ता रहा।'

आदमी को पढ़ने की यात्रा पुराने मकानों के बीच की एक गली से गुज़री। बच्चों का एक झुंड अपने कल्लोल में व्यस्त है। कोई क्या कह रहा है, समझ पाना कठिन है। तभी एक स्पष्ट स्वर सुनाई देता है, 'गौरव स्टेच्यू!' देखता हूँ एक लड़का बिना हिले-डुले बुत बनकर खड़ा हो गया है। . ' ऐ, जल्दी रिलीज़ कर। हमको खेलना है', एक आवाज़ आती है। स्टैच्यू देनेवाली बच्ची खिलखिलाती है, रिलीज़ कर देती है और कल्लोल जस का तस।

भीतर कल्लोल करते विचारों को मानो दिशा मिल जाती है। जीवन में कब-कब ऐसा हुआ कि परिस्थितियों ने कहा 'स्टैच्यू' और अपनी सारी संभावनाओं को रोककर बुत बनकर खड़ा होना पड़ा! गिरना अपराध नहीं है पर गिरकर उठने का प्रयास न करना अपराध है। वैसे ही नियति के हाथों स्टैच्यू होना यात्रा का पड़ाव हो सकता है पर गंतव्य नहीं। ऐसे स्टैच्यू सबके जीवन में आते हैं। विलक्षण होते हैं जो स्टैच्यू से निकलकर जीवन की मैराथन को नये आयाम और नयी ऊँचाइयाँ देते हैं।

नये आयाम देनेवाला ऐसा एक नाम है अरुणिमा सिन्हा का। अरुणिमा, बॉलीबॉल और फुटबॉल की उदीयमान युवा खिलाड़ी रही। दोनों खेलों में अपने राज्य उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकी थी। सन 2011 में रेलयात्रा करते हुए बैग और सोने की चेन लुटेरों के हवाले न करने की एवज़ में उन्हें चलती रेल से नीचे फेंक दिया गया। इस बर्बर घटना में अरुणिमा को अपना एक पैर खोना पड़ा। केवल 23 वर्ष की आयु में नियति ने स्टैच्यू दे दिया।

युवा खिलाड़ी अब न फुटबॉल खेल सकती थी, न बॉलीबॉल। नियति अपना काम कर चुकी थी पर अनेक अवरोधक लगाकर सूर्य के आलोक को रोका जा सकता है क्या? कृत्रिम टांग लगवाकर अरुणिमा ने पर्वतारोहण का अभ्यास आरम्भ किया। नियति दाँतो तले उँगली दबाये देखती रह गयी जब 21 मई 2013 को अरुणिमा ने माउंट एवरेस्ट फतह कर लिया। अरुणिमा सिन्हा स्टैच्यू को झिंझोड़कर दुनिया की सबसे ऊँची चोटी पर पहुँचने वाली पहली दिव्यांग पर्वतारोही बनीं।

चकबस्त का एक शेर है,
कमाले बुज़दिली है, पस्त होना अपनी आँखों में
अगर थोड़ी सी हिम्मत हो तो क्या हो सकता नहीं।

स्टैच्यू को अपनी जिजीविषा से, अपने साहस से स्वयं रिलीज़ करके, अपनी ऊर्जा के सकारात्मक प्रवाह से अरुणिमा होनेवालों की अनगिनत अद्भुत कथाएँ हैं। अपनी आँख में विजय संजोने वाले कुछ असाधारण व्यक्तित्वों की प्रतिनिधि कथाओं की चर्चा उवाच के अगले अंकों में करने का यत्न रहेगा। प्रक्रिया तो चलती रहेगी पर कुँवर नारायण की पंक्तियाँ सदा स्मरण रहें, 'हारा वही जो लड़ा नहीं।'..इति।

बोध कथा

दुष्ट सर्प और कौवे

एक जंगल में एक बहुत पुराना बरगद का पेड़ था। उस पेड़ पर घोंसला बनाकर एक कौआ-कव्वी का जोड़ा रहता था। उसी पेड़ के खोखले तने में कहीं से आकर एक दुष्ट सर्प रहने लगा। हर वर्ष मौसम आने पर कव्वी घोंसले में अंडे देती और दुष्ट सर्प मौक़ा पाकर उनके घोंसले में जाकर अंडे खा जाता। एक बार जब कौआ व कव्वी जल्दी भोजन पाकर शीघ्र ही लौट आए तो उन्होंने उस दुष्ट सर्प को अपने घोंसले में रखे अंडों पर झपटते देखा। अंडे खाकर सर्प चला गया कौए ने कव्वी को ढाडस बंधाया 'प्रिये, हिम्मत रखो। अब हमें शत्रु का पता चल गया हैं। कुछ उपाय भी सोच लेंगे।'

कौए ने काफ़ी सोचा विचारा और पहले वाले घोंसले को छोड़ उससे काफ़ी ऊपर टहनी पर घोंसला बनाया और कव्वी से कहा 'यहां हमारे अंडे सुरक्षित रहेंगे। हमारा घोंसला पेड़ की चोटी के किनारे निकट हैं और ऊपर आसमान में चील मंडराती रहती हैं। चील सांप की बैरी हैं। दुष्ट सर्प यहां तक आने का साहस नहीं कर पाएगा।' कौवे की बात मानकर कौव्वी ने नए घोंसले में अंडे दिए जिसमे अंडे सुरक्षित रहे और उनमें से बच्चे भी निकल आए। उधर सर्प उनका घोंसला ख़ाली देखकर यह समझा कि उसके डर से कौआ कव्वी शायद वहां से चले गए हैं पर दुष्ट सर्प टोह लेता रहता था। उसने देखा कि कौआ-कव्वी उसी पेड़ से उड़ते हैं और लौटते भी वहीं हैं। उसे यह समझते देर नहीं लगी कि उन्होंने नया घोंसला उसी पेड़ पर ऊपर बना रखा हैं।

एक दिन सर्प खोह से निकला और उसने कौओं का नया घोंसला खोज लिया। घोंसले में कौआ दंपती के तीन नवजात शिशु थे। दुष्ट सर्प उन्हें एक-एक करके घपाघप निगल गया और अपने खोह में लौटकर डकारें लेने लगा। कौआ व कव्वी लौटे तो घोंसला ख़ाली पाकर सन्न रह गए। घोंसले में हुई टूट-फूट व नन्हें कौओं के कोमल पंख बिखरे देखकर वह सारा माजरा समझ गए। कव्वी की छाती तो दुख से फटने लगी। कव्वी बिलख उठी 'तो क्या हर वर्ष मेरे बच्चे सांप का भोजन बनते रहेंगे?' कौआ बोला 'नहीं! यह माना कि हमारे सामने विकट समस्या हैं पर यहां से भागना ही उसका हल नहीं हैं। विपत्ति के समय ही मित्र काम आते हैं। हमें लोमड़ी मित्र से सलाह लेनी चाहिए।' दोनों तुरंत ही लोमड़ी के पास गए। लोमड़ी ने अपने मित्रों की दुख भरी कहानी सुनी। उसने कौआ तथा कव्वी के आंसू पोंछे। लोमड़ी ने काफ़ी सोचने के बाद कहा 'मित्रो! तुम्हें वह पेड़ छोड़कर जाने की जरुरत नहीं हैं। मेरे दिमाग में एक तरकीब हैं, जिससे उस दुष्टसर्प से छुटकारा पाया जा सकता हैं।' लोमड़ी ने अपने चतुर दिमाग में आई तरकीब बताई। लोमड़ी की तरकीब सुनकर कौआ-कव्वी खुशी से उछल पड़ें। उन्होंने लोमड़ी को धन्यवाद दिया और अपने घर लौट आएं।

अगले ही दिन योजना अमल में लानी थी। उसी वन में बहुत बड़ा सरोवर था। उसमें कमल और नरगिस के फूल खिले रहते थे। हर मंगलवार को उस प्रदेश की राजकुमारी अपनी सहेलियों के साथ वहां जल-क्रीड़ा करने आती थी। उनके साथ अंगरक्षक तथा सैनिक भी आते थे। इस बार राजकुमारी आई और सरोवर में स्नान करने जल में उतरी तो योजना के अनुसार कौआ उड़ता हुआ वहां आया। उसने सरोवर तट पर राजकुमारी तथा उसकी सहेलियों द्वारा उतारकर रखे गए कपड़ों व आभूषणों पर नजर डाली। कपड़े के ऊपर राजकुमारी का प्रिय हीरे व मोतियों का विलक्षण हार रखा था कौव्वी ने राजकुमारी तथा सहेलियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए 'कांव-कांव' का शोर मचाया। जब सबकी नजर उसकी ओर घूमी तो कौआ राजकुमारी का हार चोंच में दबाकर ऊपर उड़ गया। सभी सहेलियां चीखी 'देखो, देखो! वह राजकुमारी का हार उठाकर ले जा रहा हैं।' सैनिकों ने ऊपर देखा तो सचमुच एक कौआ हार लेकर धीरे-धीरे उड़ता जा रहा था। सैनिक उसी दिशा में दौड़ने लगे। कौआ सैनिकों को अपने पीछे लगाकर धीरे-धीरे उड़ता हुआ उसी पेड़ की ओर ले आया।

वीर गाथा

लेफ्टिनेंट महेश कुमार: खुद को गोलियां लगने के बावजूद लक्ष्य को दी प्राथमिकता

लेफ्टिनेंट महेश कुमार का जन्म 1 अगस्त, 1963 को राजस्थान के भरतपुर जिले के सोगर गांव में हुआ था। माता विमला देवी और पिता देशराज सिंह के बेटे महेश बहुत प्रतिभाशाली विद्यार्थी थे। उन्हें सशस्त्र बलों के साथ गहरा लगाव था। उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय से एमएससी की थी। इसके बाद वे भारतीय सेना में अधिकारी नियुक्त हो गए। उन्हें आर्मी एजुकेशन कोर में शामिल किया गया। कुछ साल बाद उन्हें महार रेजिमेंट में भेज दिया गया।

साल 2001 में, लेफ्टिनेंट महेश अपनी यूनिट 5 महार के साथ जम्मू-कश्मीर के बारामूला ज़िले में स्थित लच्छीपुरा के वलोपन बेस क्षेत्र में तैनात थे। वहां आतंकवादियों के खिलाफ 'ऑपरेशन रक्षक' चलाया जा रहा था। 18 जून को महेश और साथी जवानों को जिम्मेदारी दी गई कि टेक पथारी क्षेत्र में कार्रवाई करें। शाम लगभग 7.30 बज रहे थे। अचानक आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी कर दी। उस समय लेफ्टिनेंट महेश ने सूझबूझ और धैर्य से काम लेते हुए अपने जवानों के साथ रणनीति बनाई। उसके बाद आतंकवादियों के ठिकाने पर जोरदार पलटवार किया। इससे दुश्मन में भगदड़ मच गई।

इस दौरान महेश ने एक आतंकवादी को मार गिराया। वे अपने जवानों का हौसला बढ़ाते रहे और आतंकवादियों को भरपूर ताकत से जवाब देते रहे। लेफ्टिनेंट महेश घायल थे। उनकी बाईं जांघ में गोली लगी थी। इसके बावजूद वे जवानों को आदेश देते रहे, उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहे।

लेफ्टिनेंट महेश ने एक और आतंकवादी को मार गिराया। उनके साथी जवानों ने उस ठिकाने पर कब्जा कर लिया, जहां आतंकवादियों ने पनाह ले रखी थी। इस दौरान महेश के पेट में गोली लग गई, जिसकी वजह से उनका काफी खून बह चुका था। उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए लक्ष्य को प्राथमिकता दी। लेफ्टिनेंट महेश कुमार देश के लिए वीरगति को प्राप्त हो गए। उन्होंने अदम्य साहस और कर्तव्य के लिए अटूट निष्ठा दिखाई। देशवासी ऐसे वीर को नमन करते हैं। लेफ्टिनेंट महेश कुमार को 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

लंदन मैडम तुसाद संग्रहालय में 'आइकॉन्स ऑफ इंडिया' प्रदर्शनी की शुरुआत हुई

लंदन/भाषा। मैडम तुसाद संग्रहालय ने इस सप्ताह अपने लंदन मुख्यालय में 'आइकॉन्स ऑफ इंडिया' नाम से एक उत्सव की शुरुआत की, जिसमें सिनेमा और क्रिकेट जगत की भारतीय हस्तियों के मोम के पुतलों को एक साथ प्रदर्शित किया गया।

सीमित समय के लिए आयोजित यह प्रदर्शनी में भारतीय अभिनेताओं और क्रिकेटरों की मोम की 13 मूर्तियां प्रदर्शित की गई हैं। मई और जून के महीनों के लिए, इस क्षेत्र को भारतीय संस्कृति से प्रेरित एक जीवंत स्थान में रूपांतरित किया गया है, जहां आगंतुक अमिताभ बच्चन और सचिन तेंदुलकर सहित कुछ सबसे प्रतिष्ठित हस्तियों की मोम की मूर्तियों को करीब से देख सकते हैं।मैडम तुसाद लंदन संग्रहालय के महाप्रबंधक स्टीव ब्लैकबर्न ने कहा, ''बॉलीवुड की वैश्विक अपील बहुत बड़ी है और भारतीय सिनेमा और क्रिकेट के प्रति लंदन का प्यार हर साल और मजबूत होता जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि 'आइकॉन्स ऑफ इंडिया' के साथ, प्रशंसकों को उनके पसंदीदा सितारों के और भी करीब लाया जा रहा है।

ब्लैकबर्न ने कहा, ''हम मेहमानों को इस जादुई दुनिया में कदम रखने, अविस्मरणीय पलों को कैद करने और वैश्विक मनोरंजन और खेल जगत को आकार देने वाले दिग्गजों का जश्न मनाने के लिए आमंत्रित करते हुए रोमांचित हैं।'' ब्लैकबर्न ने इस प्रदर्शनी को 'वास्तव में एक वैश्विक उत्सव' करार दिया। उन्होंने ने बताया कि प्रदर्शनी के लिए कुछ मोम के पुतलों को मैडम तुसाद के अन्य संग्रहालयों से विशेष तौर पर लाया गया है, जिनमें बैंकॉक से लाई गई विराट कोहली की और न्यूयॉर्क से लाई गई ऐश्वर्या राय की मूर्ति शामिल हैं। 'आइकॉन्स ऑफ इंडिया' प्रदर्शनी में प्रशंसक दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह से लेकर प्रियंका चोपड़ा जोनास, ऋतिक रोशन, कैटरीना कैफ और माधुरी दीक्षित तक अपने पसंदीदा सितारों की मोम की प्रतिमा देख सकते हैं और उनके साथ तस्वीर खिंचवा सकते हैं।

प्रदर्शनी के लिए रणबीर कपूर और तेलुगु सिनेमा की स्टार काजल अग्रवाल के मोम के पुतले क्रमश: न्यूयॉर्क और सिंगापुर के मैडम तुसाद संग्रहालय से यहां लाए गए हैं।

अमेरिका अगले 12 महीनों में अपने पांच हजार सैनिकों को जर्मनी से वापस बुलाएगा

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका अगले छह से बारह महीनों में जर्मनी से अपने करीब 5,000 सैनिकों को वापस बुलाएगा। पेंटागन ने यह जानकारी दी।

अमेरिका का यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के अनुरूप है, जो उन्होंने ईरान के साथ अमेरिकी युद्ध को लेकर जर्मन नेता के साथ चल रहे टकराव के दौरान दी थी।

ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सहयोगी जर्मनी से कुछ सैनिकों को वापस बुलाने की धमकी उस वक्त दी थी, जब जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने कहा था कि ईरानी नेतृत्व द्वारा अमेरिका को ''अपमानित'' किया जा रहा है। इतना ही नहीं, मर्ज ने युद्ध में वाशिंगटन की खराब रणनीति की आलोचना की थी।

कितनी और जानें जाएंगी? मध्य प्रदेश में क्रूज पटलने की दुर्घटना पर सोनू सूद ने पूछे सवाल

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता सोनू सूद को जनसेवा के कार्यों के कारण प्रायः 'जरूरतमंदों का मसीहा' कहा जाता है। कोविड से लेकर आज तक सोनू सूद जरूरतमंद और गरीब लोगों की मदद कर रहे हैं। हाल ही में हुई एक नौका दुर्घटना ने अभिनेता को गहरी निराशा में डाल दिया है। सोनू सूद ने इस घटना के लिए प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने निराशा व्यक्त करते हुए पूछा है कि आखिर व्यवस्था की इन कमियों के कारण लोगों को कब तक अपनी जान गंवानी पड़ेगी? मध्य प्रदेश के बरगी बांध के पास नर्मदा नदी में क्रूज नाव पलट जाने की दुर्घटना ने सोनू सूद को परेशान कर दिया है। वे पहले ही बिहार और वृंदावन में घट चुकी नाव दुर्घटना पर लाइफ जैकेट को लेकर जागरूकता फैला चुके हैं, लेकिन फिर भी एक के बाद एक हो रही दुर्घटनाओं की वजह से वे अंदर से निराश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कुछ समय पहले

मैंने बिहार में हुई नाव दुर्घटना के बारे में एक्स पोस्ट किया था और हर यात्री के लिए लाइफ जैकेट अनिवार्य करने की अपील की थी। फिर वृंदावन की घटना हुई... और अब मध्य प्रदेश में, इसी तरह कई और जानें गईं। कितनी और जानें जाएंगी?

अभिनेता ने आगे लिखा, अब इसे अनिवार्य बनाने का समय आ गया है, कोई भी नाव बिना हर यात्री के लाइफ जैकेट पहने रवाना न हो। हमें एक सरकारी पोर्टल की भी आवश्यकता है जहां प्रत्येक यात्रा से पहले सभी यात्रियों के लाइफ जैकेट पहने होने का समय-चिह्नित प्रमाण अपलोड किया जाए। केवल कड़ी जवाबदेही ही जानें बचा सकती है।बता दें कि बीते गुरुवार को मध्य प्रदेश के बरगी बांध के पास नर्मदा नदी में क्रूज नाव पलटने से नौ लोगों की जान जा चुकी है और बाकी लोगों की तलाश जारी है। माना जा रहा है कि अभी तक 10 से अधिक लोग लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है, वहीं कुछ लोगों ने तैरकर अपनी जान खुद बचा ली थी। इससे पहले मथुरा में हुए हादसे पर भी अभिनेता ने दुख जताया था और लाइफ जैकेट को अनिवार्य करने के लिए कहा था। अभिनेता का मानना है कि सरकार को इसे व्यवस्थित करने के लिए पोर्टल लॉन्च करने की अपील की थी। उन्होंने लिखा था, हमारे देश में बार-बार नाव दुर्घटनाएं होती रही हैं। मथुरा में एक बार फिर जानें गईं। पिछले एक साल में ही दर्जनों निर्दोष लोग इसी तरह की दुर्घटनाओं में मारे गए हैं, जिनमें से अधिकतर को रोका जा सकता था। अधिकतर ने लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी। हम इसे एक सरल नियम क्यों नहीं बना सकते?

जागरूकता

छात्रों ने शनिवार को जम्मू में 'पक्षी बचाओ, पानी बचाओ' जागरूकता कैंपेन में हिस्सा लिया।

'पीकू' के लिए वैकल्पिक रोमांटिक अंत इरफान के आग्रह पर फिल्माया गया था : शूजित सरकार

मुंबई/भाषा

फिल्म निर्माता शूजित सरकार का कहना है कि उनके दिवंगत मित्र और फिल्म 'पीकू' के मुख्य अभिनेता इरफान खान की 'रोमांटिक' भावनाओं ने 2015 की फिल्म के अंत को लगभग बदल दिया था। इरफान की फिल्म 'पान सिंह तोमर' पर बने वृत्तचित्र 'ए स्टोरी दैट रिफ्यूज्ड टू डाई' की विशेष स्क्रीनिंग के दौरान, निर्देशक ने दिवंगत अभिनेता के रोमांटिक पक्ष को स्नेहपूर्वक याद किया। इस कॉमेडी-ड्रामा में अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण द्वारा अभिनीत एक पिता और बेटी की दिल छू लेने वाली कहानी दिखाई गई है। फिल्म में इरफान खान ने राणा चौधरी का किरदार निभाया, जो एक चतुर और आकर्षक टैक्सी व्यवसायी है और पीकू (पादुकोण) और उसके पिता को कोलकाता ले जाता है।

शूजित ने कहा, बहुत कम लोग जानते हैं कि इरफान एक रोमांटिक इंसान थे। 'पिकू' के आखिरी सीक्वेंस का वह सीन काट दिया गया था जिसमें दीपिका और इरफान बैडमिंटन खेल रहे थे। उन्होंने कहा, इरफान मेरे पास आए और बोले, 'क्या मुझे घर के अंदर नहीं जाना चाहिए?' मैंने कहा, 'आप अंदर क्यों जाना चाहते हैं?' उन्होंने कहा, 'मुझे घर के अंदर जाना चाहिए, क्योंकि यह एक रोमांटिक फिल्म है, और अगर घर का नौकर आता है, तो मैं चला जाऊंगा।' मैंने कहा, 'हम इसे एक विकल्प के रूप में शूट कर सकते हैं' और उन्होंने जोर दिया कि मैं इसे फाइनल एडिट में रखूं। हमने वह शूट किया लेकिन मैंने फाइनल एडिट के दौरान उसे नहीं रखा। इरफान का अप्रैल 2020 में कैंसर से जूझने के बाद 54 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अभिनेता को 'पान सिंह तोमर', 'द लंचबॉक्स', 'हिंदी मीडियम' और 'मकबूल' जैसी फिल्मों में अभिनय के लिए जाना जाता है। यह वृत्तचित्र इरफान की छठी पुण्यतिथि के अवसर पर 29 अप्रैल को नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र में प्रदर्शित किया गया था।

फिल्ममेकर इम्तियाज अली, एक्टर वेदांग रैना और एक्ट्रेस शरवरी वाघ फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' के प्रमोशन में भाग लेते हुए।

'ताल-2' के लिए नए कलाकारों की जरूरत : सुभाष घई

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक सुभाष घई जल्द ही दर्शकों के लिए अपनी म्यूजिकल ड्रामा फिल्म 'ताल' का सीक्वल लेकर आ रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने फिल्म को लेकर चल रही कुछ अफवाहों पर विराम लगाया। गुरुवार को निर्देशक ने इंस्टाग्राम के जरिए अपने प्रशंसकों को बताया कि वे 'ताल' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, ओल्ड और सीनियर में फर्क होता है। 'ताल' की ऑरिजिनल कास्ट के सभी कलाकार ऐश्वर्या राय बच्चन, अक्षय खन्ना और अनिल कपूर आज भी एक्टिव सुपरस्टार और मेरे अजीज मित्र हैं, लेकिन 'ताल-2' के लिए दर्शकों को कुछ नया चाहिए, जिसमें नई कहानी, नए चेहरे और एक भव्य म्यूजिकल अंदाज। यह कोई सीधा सीक्वल नहीं है। उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, हम आज के समय का एक म्यूजिकल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें मजबूत स्क्रिप्ट, सही कास्टिंग, शानदार म्यूजिक और बेहतरीन प्रोडक्शन के साथ बिल्कुल नए चेहरे होंगे, जिन्हें पहले कभी स्क्रीन पर नहीं देखा गया। उम्मीद है हम इस कोशिश में सफल होंगे।

1999 में रिलीज हुई फिल्म 'ताल' सुभाष घई द्वारा निर्देशित एक ब्लॉकबस्टर हिंदी संगीतमय रोमांटिक ड्रामा है। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय बच्चन, अक्षय खन्ना और अनिल कपूर मुख्य भूमिकाओं में दिखे। यह फिल्म चंबा की एक साधारण लड़की मानसी (ऐश्वर्या राय बच्चन) और अमीर एनआरआई मानव (अक्षय खन्ना) के प्यार, गलतफहमी, अपमान और फिर मिलन की कहानी है। फिल्म में विक्रांत कपूर (अनिल कपूर) एक संगीत निर्माता की भूमिका में हैं, जो मानसी को स्टार बनाते हैं। तीनों मुख्य कलाकारों की भूमिकाओं के लिए दर्शकों की खूब सराहनी मिली थी।

बताया जाता है कि इस म्यूजिकल ड्रामा में ऐश्वर्या राय बच्चन ने लगभग पूरी फिल्म बिना मेकअप के काम किया था, ताकि उनकी नेचुरल खूबसूरती और सादगी उभर कर आए। 'रमता जोगी' और 'ताल से ताल मिला' जैसे गानों में उनका डांस और अभिनय आज भी आइकॉनिक है। इस फिल्म का संगीत एआर रहमान ने तैयार किया था, जो उस समय काफी लोकप्रिय हुआ था। यहां तक कि आज भी इसके गाने पसंद किए जाते हैं।

प्रस्तुति

सूरत में 66वें 'गुजरात गौरव दिवस' के मौके पर वाई जंक्शन से लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम तक अलग-अलग प्लाटून वाली एक बड़ी परेड के दौरान कलाकार परफॉर्म करते हुए।

एआई और स्विस तकनीक से लैस हो रहे उत्तर प्रदेश के एक्सप्रेसवे, 'स्मार्ट रोड नेटवर्क' की ओर बढ़ते कदम

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे निर्माण अब पारंपरिक तरीके से आगे बढ़कर तकनीक आधारित निगरानी और प्रबंधन की ओर बढ़ रहा है। शनिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार कृत्रिम मेधा (एआई) और 'स्विस सेंसर' तकनीक के जरिए सड़क निर्माण को 'डेटा-आधारित' और 'समय पर निगरानी' आधारित बना रही है। बयान के मुताबिक गंगा एक्सप्रेसवे में भी इस तकनीक का उपयोग किया गया है, जिसका लोकार्पण हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने स्विट्जरलैंड की 'ईटीएच ज्यूरिख' और 'आरटीडीटी लैबोरेट्रीज एजी' के साथ साझेदारी की है। इस तकनीक से निर्माण के दौरान ही सड़क की गुणवत्ता की लगातार निगरानी की जा रही है।

एक विशेष वाहन में सात 'एक्सेलेरोमीटर सेंसर' लगाए गए हैं। यह वाहन एक्सप्रेसवे की हर लेन पर चलकर सतह की एकरूपता, ऊंचाई में उतार-चढ़ाव और कंपन का डेटा जुटाता है। सेंसर से मिले आंकड़ों को एआई सॉफ्टवेयर से 'प्रोसेस' कर सड़क की गुणवत्ता को 'शानदार', 'अच्छा' और 'खराब' श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है। इससे खामियों की पहचान निर्माण के दौरान ही हो जाती है। यूपीडा अधिकारियों के मुताबिक, पहले गुणवत्ता का आकलन निर्माण पूरा होने के बाद होता था, जिससे सुधार में समय और लागत बढ़ती थी। नई प्रणाली से खामियों को उसी समय दुरुस्त किया जा सकेगा।

निर्माण के बाद संचालन चरण में एआई-सक्षम कैमरे लगाए जा रहे हैं। ये कैमरे तेज रफ्तार, गलत लेन में चलने जैसे यातायात नियम उल्लंघनों को स्वतः चिन्हित करेंगे। इससे नियमों का क्रियान्वयन मजबूत होने और दुर्घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है। अधिकारियों का कहना है कि इस पहल से एक्सप्रेसवे केवल 'कनेक्टिविटी' का माध्यम न रहकर डेटा, तकनीक और प्रबंधन के समन्वय से संचालित 'इंटेलिजेंट नेटवर्क' के रूप में विकसित हो रहे हैं।

स्वर्ण मंदिर में दर्शन करने पहुंचीं पलक तिवारी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री पलक तिवारी इन दिनों आगामी वेब सीरीज 'लुक्खे' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। पलक तिवारी ने अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में माथा टेका और आशीर्वाद लिया। इसकी कुछ तस्वीरें उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। पोस्ट की गई तस्वीरों में वे बेहद सादगी में नजर आ रही हैं। उन्होंने नीला और गुलाबी रंग का एक सुंदर पारंपरिक सूट पहना हुआ है। उन्होंने अपने सिर पर दुपट्टा रखा हुआ है। तस्वीरों में उन्हें स्वर्ण मंदिर के पवित्र सरोवर के किनारे हाथ जोड़कर खड़े और परिसर की सुंदरता को निहारते हुए देखा जा सकता है। अपनी पोस्ट के जरिए पलक ने बताया कि यह स्वर्ण मंदिर में उनका पहला आगमन है। अभिनेत्री ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए लिखा, स्वर्ण मंदिर में यह मेरा पहली बार जाना था। यह अनुभव सच में वैसा ही था, जैसा मैंने सोचा था। अत्यंत शांतिपूर्ण और जादुई।फिल्मों के बाद अब अभिनेत्री पलक तिवारी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं।

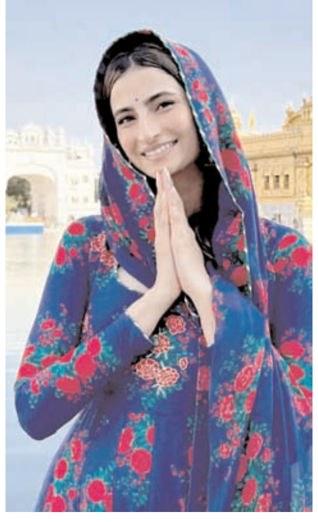

उनकी आगामी वेब सीरीज 'लुक्खे' को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। इस फिल्म के जरिए जहां, पलक ओटीटी डेब्यू कर रही हैं, तो मशहूर रैपर किंग अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। सीरीज में पलक 'सनोबर' नामक किरदार निभा रही हैं, जो इमोशनल, प्यार और आंतरिक संघर्ष से भरा हुआ है। यह सीरीज पंजाब की पृष्ठभूमि में रैप संगीत, क्राइम और प्रतिशोध की कहानी है। सीरीज की कहानी लकी (लक्ष्यवीर) नाम के एक एथलीट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश करने के लिए पंजाब की अंडरग्राउंड रैप दुनिया में प्रवेश करता है। यह सीरीज रैपर्स के बीच के टकराव, प्यार, भाईचारे और बदले की कहानी है।

सीरीज में रैपर किंग के खास गानों और संगीत का अहम रोल है, जो मुंबई में एक लाइव कॉन्सर्ट में रिलीज किया गया था। सीरीज में किंग (एमसी बदनाम), राशि खन्ना, पलक तिवारी (सनोबर), लक्ष्यवीर सिंह सरन (लकी), और शिवंकित परिहार अहम भूमिका में नजर आएंगे।

'मेरे जख्म मेरी कहानी बयां करते हैं...': राजश्री देशपांडे

मुंबई/एजेन्सी

टीवी और फिल्म अभिनेत्री राजश्री देशपांडे ने ब्रेस्ट कैंसर से अपनी लड़ाई और जीत की कहानी को बेहद साहस के साथ सोशल मीडिया पर साझा किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें उन्होंने अपने शरीर पर बचे सर्जरी के निशानों को खुलकर दिखाया और उन्हें अपनी ताकत व हिम्मत का प्रतीक बताया। इंडस्ट्री में जहां दिखावे और परफेक्शन को बहुत महत्व दिया जाता है, राजश्री देशपांडे ने सच्चाई और साहस को चुनते हुए एक मजबूत संदेश दिया है। इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट में राजश्री ने लिखा, मेरे जख्म मेरी जिंदगी की कहानी बयां करते हैं। हर एक जख्म इस बात की याद दिलाता है कि मैंने लड़ाई लड़ी, मैं जिंदा बची और मैंने जीत हासिल की। उन्होंने आगे लिखा, ब्रेस्ट कैंसर ने अपने निशान तो छोड़े, लेकिन वह कभी भी मेरी हिम्मत को छू नहीं पाया। हर उस महिला से, जो अपनी चमक को फीका कर रही है प्लीज उठो। तुम बहुत खूबसूरत हो और तुम्हारे जख्म कोई दाग नहीं हैं, बल्कि वे तुम्हारे साहस का ताज हैं। राजश्री देशपांडे ने कहा कि आज वे अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए पूरे आत्मविश्वास के साथ खड़ी हैं। उनके दिल में प्यार है और रूह में हिम्मत। उन्होंने सभी महिलाओं को संदेश दिया कि जीवन को पूरी तरह से जीना चाहिए और अपने जख्मों को शर्मिंदगी की जगह ताकत बनाकर आगे बढ़ना चाहिए। राजश्री की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी सराही जा रही है। कई महिलाएं और सेलिब्रिटी उनकी हिम्मत की तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने मैसेज दिया है कि सौंदर्य सिर्फ बाहरी दिखावे में नहीं, बल्कि अंदर की ताकत और साहस में छिपा होता है। उन्होंने अपने संघर्ष को खुलकर साझा करके कई महिलाओं को हौसला दिया है। राजश्री की पोस्ट पर दिया मिर्जा, अमृता खानविलकर, शुभांगी लाटकर, शिल्पा तुलस्कर समेत कई सितारे व सोशल मीडिया यूजर्स भी खुलकर उनकी तारीफ करते नजर आए।

पूजा हेगड़े ने शेयर किए फिल्म 'रेट्रो' के सेट से जुड़े किस्से

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री पूजा हेगड़े की तमिल रोमांटिक-एक्शन फिल्म 'रेट्रो' ने रिलीज के एक साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर अभिनेत्री फिल्म की यादों में खोती नजर आईं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी फिल्म से जुड़ी कुछ अनसुनी और रोमांचक यादें प्रशंसकों के साथ शेयर कीं। पूजा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से कुछ बीटीएस तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि फिल्म बनाना किसी साहसिक सफर से कम नहीं था। अभिनेत्री ने लिखा, फिल्म रेट्रो के रिलीज को एक साल पूरा। शूटिंग के दौरान हमने कई बड़ी चुनौतियों का सामना किया। शूटिंग के समय कई बार तूफान आए, काम करते वक्त मेरा लिगामेंट भी फट गया था, जिससे मुझे काफी चोटें आईं। हर तरफ कीचड़ और फिसलन थी, लेकिन इस दौरान हमारी टीम का जज्बा कम नहीं हुआ। अभिनेत्री ने आगे एक हौरान कर देने वाली घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि एक बार शूटिंग के दौरान उनकी नाव में आग लग गई थी। पूजा ने लिखा, हमारी नाव में आग लग गई (सुहास, आप हमेशा हीरो रहेंगे) और शूटिंग के वक्त एक ऐसा द्वीप था जहां चारों तरफ सांपों का डेरा था।

अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि तकनीकी रूप से ये सारी चीजें बहुत तनावपूर्ण और मुश्किल होनी चाहिए थीं, लेकिन असलियत में ऐसा नहीं था। उन्होंने लिखा, वहां बहुत शांति और अच्छा माहौल था। हम सबस खूब हंसी-मजाक करते थे। सबसे बड़ी बात यह थी कि हम कुछ ऐसा बना रहे थे, जो पूरी तरह से दिल से और सिनेमा के प्रति प्यार के लिए था, जब आप सही लोगों के साथ काम करते हैं, तो सबसे कठिन दिन भी आसान लगने लगते हैं। कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित तमिल रोमांटिक एक्शन फिल्म 'रेट्रो' में पूजा के साथ सूर्या मुख्य भूमिकाओं में थे। 'लव-लाफ्टर-वॉर' उपशीर्षक वाली इस फिल्म का निर्माण स्टोन बेंच क्रिएशंस और 2डी एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया। इसमें सूर्या (परी) एक अपराधी पिता द्वारा पाले गए व्यक्ति की भूमिका में हैं, जो अपनी प्रेमिका, रुक्मिणी (पूजा हेगड़े) के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए हिंसक अतीत को छोड़ना चाहता है, लेकिन उसका हिंसक अतीत उसे नहीं छोड़ता।

सत्संग — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में परमधाम अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार चेन्नई के तत्वाधान में वैशाख पूर्णिमा पर अमृतवाणी की विशेष सत्संग मंडल के सत्संग प्रेमी अशोक जोशी के निवास स्थान ओसवाल गार्डन में 1 मई को दोपहर में बड़े ही धूमधाम के साथ हुआ। मंडल के अरविन्द कुमार दाधीच ने बताया कि इसमें सबसे पहले गणेश वंदना गुरु वंदना और मां सरस्वती वंदना के बाद से अमृतवाणी का पाठ और भजन हुए।

येलागिरी एक्सप्रेस को एलएचबी कोच आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने और उन्हें आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए येलागिरि एक्सप्रेस में मौजूदा पारंपरिक रेक को एलएचबी (लिंके–होफमैन–बुश) कोचों में परिवर्तित किया जा रहा है।

ट्रेन संख्या 16089/16090 डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल – जोलारपेट्टई – डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल येलागिरी एक्सप्रेस 3 मई से डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से और 4 मई से जोलारपेट्टई से एलएचबी कोचों के साथ चलेगी। एलएचबी कोचों में रूपांतरण के परिणामस्वरूप, उपरोक्त ट्रेन सेवाओं की संरचना में संशोधन किया जाएगा, जिसमें 1 एसी चेयर कार कोच, 1 जनरल सेकंड क्लास कोच, 1 सेकंड क्लास कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और 1 लगेज कम ब्रेक वैन शामिल होंगे।

बीकानेरी मिलन उत्साह पूर्वक मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां बीकानेर महेश्वरी मंच के तत्वावधान में, वार्षिक बीकानेरी मिलन उत्साहपूर्वक मनाया गया। डी जी वैष्णव महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में उपस्थित बीकानेरी महेश्वरी परिजनों ने, दिल्ली से आए नृत्य ग्रुप के राधा–कृष्ण के नृत्यों व रासलीला का भरपूर आनन्द लिया। कार्यक्रम की खूबसूरत शुरुआत चेन्नई के अपने ही 14 गायक कलाकारों की जेमिंग से हुई व बीच में स्थानीय कलाकार मेन्टलिस्ट की कलाबाजियां सबको बहुत पसन्द आई।

सर्व प्रथम अध्यक्ष गिरी बागड़ी ने आगन्तुकों का स्वागत किया। कार्यक्रम की संयोजिका विमला दमानी ने बीकानेर के बारे में अपने उद्गार पेश किये व अंत में मंत्री आदित्य दम्माणी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। नवनीत भैया, सरिता राठी, आशीष बागड़ी, सोनाली कोठारी, ग्वाल दास मोहता, ओमप्रकाश चांडक, भगवान मूँधड़ा, सुरेन्द्र राठी, देवरतन डागा व राधेश्याम मूँधड़ा का सराहनीय सहयोग रहा।

अमृता कैंपस में एयर एशिया द्वारा भर्ती अभियान का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के अमृता इंटरनेशनल एविएशन कॉलेज में विमानन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एयरएशिया ने कैंपस भर्ती अभियान का आयोजन किया जिससे छात्रों को एशिया के अग्रणी विमानन संगठनों में से एक में करियर के अवसरों तक सीधी पहुंच मिली। अपने व्यापक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, मजबूत ब्रांड के साथ एयरएशिया वैश्विक विमानन उद्योग में नए मानक स्थापित करते हुए विमानन क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए नित नए नए अवसर प्रदान कर रही है ।

चेन्नई स्थित अमृता विश्वविद्यालय, विमानन शिक्षा के क्षेत्र में अपने ट्रैक रिकॉर्ड के साथ तीस हजार से अधिक छात्रों को प्रशिक्षण और रोजगार प्रदान कर चुका है, इस कार्यक्रम में एयरएशिया रेडक्यू के एओसी लाइन मेंटेनेंस प्रमुख सरवणन राज मुन्नुस्वामी ने छात्रों के साथ विमानन करियर परिचालन उत्कृष्टता और एयरएशिया के भीतर अंतरराष्ट्रीय अवसरों के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस भर्ती अभियान में चयनित उम्मीदवारों को एयरएशिया के साथ 6 महीने की इंटर्नशिप करनी होगी और प्रदर्शन के आधार पर उन्हें तत्काल नियुक्ति दी जाएगी । कार्यक्रम मे मलेशिया के पूर्व उप मंत्री डॉ. एस.के. देवमनी ने अमृता कैंपस में नए सभागार का उद्घाटन अमृता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष आर भूमिनाथन की उपस्थिति में किया ।

‘नमामि देवि नर्मदे’ पुस्तक का हुआ लोकार्पण

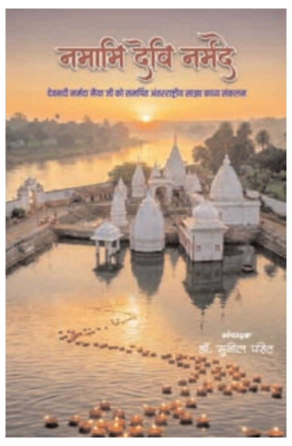

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरकंटक। नर्मदा तट की पावन वादियों में स्थित श्री मृत्युंजय आश्रम में महामंडलेश्वर, दैवी संपद मंडल के परमाध्यक्ष, स्वामी हरिहरानंद सरस्वती महाराज द्वारा अंतरराष्ट्रीय साझा काव्य संकलन ‘नमामि देवि नर्मदे’ का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर से आए संत, साहित्यकार और हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने इस आध्यात्मिक–सांस्कृतिक क्षण को साक्षी भाव से अनुभव किया।ङ्कङ्कअपने प्रेरक उद्बोधन में महाराजश्री ने कहा कि ऐसे काव्य संकलन केवल शब्दों का समूह नहीं होते, बल्कि यह हमारी आध्यात्मिक चेतना और दिव्य ऊर्जा के वाहक होते हैं। उन्होंने कहा, साहित्य वह दीप है जो मानव जीवन के अंधकार को दूर कर सन्मार्ग की ओर ले जाता है। यह नश्वर संसार भले ही परिवर्तनशील हो, किंतु साहित्यिक ग्रंथ सदैव अमर रहते हैं और युगों–युगों तक मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने ‘नमामि देवि नर्मदे’ को नर्मदा मैया के प्रति समर्पित एक अद्भुत आध्यात्मिक श्रद्धांजलि बताया, जो भक्तिभाव और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है।ङ्कङ्कसंकलन के प्रधान संपादक डॉ. सुनील परीट ने ग्रंथ का परिचय देते हुए कहा कि इस काव्य संग्रह में भारत के लगभग सभी राज्यों के साथ–साथ अमेरिका, मॉरीशस, बेल्जियम, इंग्लैंड और ओमान जैसे देशों के 170 से अधिक रचनाकारों की रचनाएँ शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह संकलन न केवल साहित्यिक विविधता का परिचायक है, बल्कि नर्मदा मैया के प्रति वैश्विक आस्था और श्रद्धा का जीवंत प्रमाण भी है। संकलन के सह–संपादक मॉरीशस के डॉ. सोमदत्त काशीनाथ ने भी इस कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसके लिए उन्हें विशेष रूप से सराहा गया।

कार्यक्रम में भागवत कथाकार श्री राममूर्ति मिश्र सहित अनेक संत–महात्मा एवं विद्वान साहित्यकार उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान नर्मदा स्तुति, भजन और आध्यात्मिक प्रवचनों ने पूरे वातावरण को दिव्यता से भर दिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने नर्मदा मैया को भारतीय संस्कृति की जीवनरेखा बताते हुए कहा कि यह नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि श्रद्धा, तप और मोक्ष की प्रतीक है। ‘नमामि देवि नर्मदे’ जैसे संकलन उस दिव्य चेतना को शब्दों में ढालने का एक सफल प्रयास हैं।

परमात्मा की प्रतिमा बनाने वाला ‘मजदूर’ परमात्मा से कम नहीं हैं : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर जैन स्थानक में विराजित राष्ट्र संत कमलमुनिजी कमलेश ने शुक्रवार को मजदूर दिवस के मौके पर अपने प्रवचन में कहा कि मेहनतकश खून पसीना बहाने वाले के लिए मजदूर शब्द का प्रयोग करने पर उसकी भावना आहत होती है, स्वाभिमान को चोट लगती है। कमलेशमुनि ने कहा कि मैंने केंद्र सरकार को सुझाव भेजा है मजदूर दिवस के बजाय शिल्पकार दिवस के रूप में मनाया जाए जिससे उनके स्वाभिमान की रक्षा हो। मुनि कमलेशजी ने कहा कि जिस भगवान को हम दुनिया का निर्माता मानते हैं उसको हमने देखा या नहीं देखा परंतु प्रत्यक्ष में वह मजदूर परमात्मा से कम नहीं है। एक शिल्पकार की हर वस्तु के निर्माण में उसकी भूमिका ऑक्सीजन से भी ज्यादा महत्वपूर्ण होती है, शिल्पकार अपने मेहनत से कोड़ी की वस्तु को करोड़ की बना देता है। उन्होंने बताया कि पत्थर से प्रतिमा का आकार देने वाला भी शिल्पकार है जो उसे पूजनीय बनाकर जनता के सामने भगवान के रूप में प्रस्तुत करता है, उस शिल्पकार को परमात्मा से ज्यादा सम्मान देना चाहिए। शिल्पकार को सम्मान नहीं देना, हीन मानना, अनदेखा करना उनके साथ क्रूर मजाक करने जैसा है।ङ्क जैन संत ने कहा कि हम शिल्पकार के अभाव में हम जीने तक की कल्पना नहीं कर सकते हैं, वह मजदूर नहीं है, हमारा भाग्य विधाता और निर्माता है। विकास की मंजिल में नींव के पत्थर की भांति काम करता है। संतश्री ने कहा कि बाल श्रमिक कानून बनाने के पहले उनकी समस्याओं का हल करने का प्रयास सरकार को करना चाहिए। किसी के पिता चले गए, मां बीमार है ऐसी परिस्थितियों में बच्चा मजदूरी कर रहा है यह उसकी मजबूरी है, उसकी संपूर्ण व्यवस्था करना सरकार की जिम्मेदारी है न कि कानून के डंडे से बुलंद हौसले को मिटाने का काम करना। अंत में संतश्री ने कहा कि जिस दिन मालिक और मजदूर दोनों आपस में भाई जैसा व्यवहार करेंगे उस दिन विकास की गति चौगुनी हो जाएगी।

दो दिवसीय राज्य स्तरीय ‘ब्राह्मण दूल्हा-दुल्हन परिचय सम्मेलन’ 9 और 10 को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विभिन्न ब्राह्मण संगठनों की और से आगामी 9 और 10 मई को राज्य स्तरीय ब्राह्मण दूल्हा–दुल्हन परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। ‘श्रीनिवास कल्याणोत्सव’ नामक इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन बनशंकरी स्थित अखिल कर्नाटक ब्राह्मण महासभा के गायत्री भवन में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में भाग लेने के इच्छुक उम्मीदवार 1 पोस्टकार्ड आकार की फोटो, बायोडाटा और कुंडली के साथ आवेदन कर सकते हैं।समन्वयक श्रीनिवास ने बताया कि अधिक जानकारी के लिए मोबाइल क्रमांक 9449425536 / 8088843300 पर संपर्क किया जा सकता है।

एसआरएम कॉलेज ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी द्वारा राष्ट्रीय ऑटिज़्म सम्मेलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एसआरएम कॉलेज ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी द्वारा ट्रांसफॉर्मिंग ऑटिज़्म केयर: टेक्नोलॉजी और ह्यूमन–सेंटर्ड प्रैक्टिस के एकीकरण विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय ऑटिज़्म सम्मेलन 2026 का आयोजन किया गया इस सम्मेलन में वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि ऑटिज़्म देखभाल में क्लिनिकल विशेषज्ञता और उभरती तकनीकी हस्तक्षेपों के समन्वय के लिए बहु–विषयक दृष्टिकोण की आवश्यकतायें लगातार बढ़ रही है इस सम्मेलन में देशभर के नामचीन शिक्षाविद, चिकित्सक और स्वास्थ्य पेशेवर शामिल हुए। इस सम्मेलन में ऑटिज़्म देखभाल के क्षेत्र में संवाद, सहयोग और ज्ञान के आदान–प्रदान को प्रोत्साहित किया गया इस अवसर पर एसआरएम कॉलेज ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी के डीन डॉ. यू. गणपति शंकर ने कहा कि एस आरएम शिक्षा, सेवा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए अपनी स्थापना के दिनों से ही प्रतिबद्ध रहा है इसी क्रम में एसआरएम ऑटिज़्म सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना कि गई यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि मशीन लर्निंग को सेंसरी इंटीग्रेशन थेरेपी में शामिल करने वालीहालिया डीएसटी–वित्तपोषित परियोजना इस बात का प्रमाण है कि नवाचार किस प्रकार उपचार के परिणामों को बेहतर बना सकता है। उन्होंने कहा कि इस इस केंद्र से अब तक 270 से अधिक बच्चे सीधे लाभान्वित हुए है जबकि 1,000 से अधिक परिवारों पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है वह भी पूरी तरह से निःशुल्क।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में एसआरएम आईएसटी के रजिस्ट्रार डॉ. एस. पोनुसामी ने शोध–आधारित और सामाजिक रूप से प्रासंगिक स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मंच अकादमिक ज्ञान को वास्तविक क्लिनिकल प्रभाव में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिद्धा, चेन्नई के डीन प्रो. डॉ. ए मीनाक्षी सुंदरम ने न्यूरो डेवलपमेंटल स्थितियों के प्रबंधन में समग्र दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया।

इस सम्मेलन में एनसीए एचपी की चेयरपर्सन डॉ. यज्ञा उन्मेष शुक्ला ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि मानवीय स्पर्श, सहानुभूति, सुनने की क्षमता और संबंधों के बिना तकनीक अधूरी है। ऑटिज़्म देखभाल में नवाचार का उपयोग सहायक के रूप में होना चाहिए। ऑटिज़्म से प्रभावित बच्चों को केवल निदान नहीं, बल्कि समझ, गरिमा और ऐसा समाज चाहिए जो उन्हें स्वीकार करे।

उन्होंने आगे कहा, ’वन नेशन, वन करिकुलम’ के तहत एनसीएएचपी द्वारा अधिसूचित 17 पाठ्यक्रमों का कार्यान्वयन शैक्षणिक सत्र 2026–27 से देशभर में एलाइड हेल्थकेयर शिक्षा के लिए एक नया मानक स्थापित करेगा इससे एकरूपता, उच्च गुणवत्ता और बेहतर पेशेवर दक्षता सुनिश्चित होगी, जिसमें ऑक्यूपेशनल थेरेपी और फिजियोथेरेपी भी शामिल हैं। सम्मेलन का समापन विशेषज्ञों द्वारा ऑटिज़्म की प्रारंभिक पहचान, हस्तक्षेप रणनीतियों और उभरती तकनीकों पर अपने गहन विचार साझा कर किया गया।

सिल्वर स्टोर की नई शाखा का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चांदी से बने उत्पादों के लिए प्रसिद्ध सिल्वर स्टोर ने नेसापक्कम में अपनी नई शाखा का शुभारंभ किया है। वाल्सरवक्कम स्थित पहली शाखा की सफलता के उपरांत कम्पनी ने शाखा विस्तार के तहत दूसरे रिटेल शोरूम का शुभारंभ किया है। इस नई शाखा के माध्यम से ग्राहकों को थोक कीमतों पर प्रीमियम चांदी के उत्पाद उपलब्ध कराया जाएगा।

नई शाखा में ग्राहकों के लिए सिल्वर के विभिन्न उत्पादों की विस्तृत रेंज उपलब्ध है। इसमें बिछिया, पायल, चेन, ब्रेसलेट, अंगूठियां, सिल्वर कॉइन, बार, पूजा सामग्री, सिल्वर बर्तन, डिनर सेट और पारंपरिक व आधुनिक डिजाइन के आभूषण शामिल हैं। सभी उत्पाद बीआईएस हॉलमार्क के साथ उपलब्ध हैं। अपनी नई शाखा के शुभारंभ के अवसर पर कंपनी ने ग्राहकों के लिए कई आकर्षक ऑफर पेश किए है। कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि उनका ध्यान ग्राहकों को किफायती दरों पर गुणवत्ता युक्त उत्पाद देना और लंबे समय तक भरोसेमंद संबंध कायम रखना है।

जिन सद्गुणों व गुण-संस्कार से परिपूर्ण थीं महासती प्रीतिसुधा : डॉ समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रमण संघ की महासती प्रीतिसुधाजी का 1 मई को उत्कृष्ट ’संथारा’ साधना के साथ देवलोकगमन हो गया था। साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु शनिवार को मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में गुणानुवाद एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में शहर और विभिन्न उपनगरों से उपस्थित श्रावक–श्राविकाओं ने नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गुणानुवाद सभा में सान्निध्य प्रदान करते हुए श्रमण संघ के संतश्री डॉ. समकितमुनिजी ने महासतीश्री प्रीतिसुधाजी के विराट व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रीतिसुधाजी एक ऐसी महान शख्सियत थीं, जिनके प्रवचन श्रवण करने के लिए जैन समाज सहित अन्य विभिन्न समाज के लोग उपस्थित होते थे। उन्होंने केवल जैन ही नहीं, अपितु अजैन परिवारों को भी सुसंस्कारित कर उनके जीवन को नई दिशा दी। जिन सद्गुणों से संतत्व महान बनता है, वे सभी गुण संस्कार महासती जी में समाहित थे। गुरुदेव ने इस बात पर विशेष बल देते हुए कहा कि, साधना जब अपने सर्वोच्च शिखर पर पहुंचती है, तब जीवन में लबालब सरलता और सहजता भर जाती है। सभी परंपराओं के संत–मुनि भगवंतों के प्रति एक समान आदर–भाव और सम्मान देना उनकी सबसे बड़ी खासियत थी।

ऐसी महान साध्वी को पाकर न केवल श्रमण संघ, बल्कि संपूर्ण जिनशासन गौरवान्वित और समृद्ध हुआ है। साध्वीश्री ने अपने जीवन के अंतिम क्षणों में ’संथारा’ जैसी उत्कृष्ट साधना को धारण कर अपनी जीवन भर की साधना को पूर्णतः सफल कर लिया है।ङ्कङ्कइस अवसर पर उपप्रवर्तिनीश्री सत्यप्रभाजी की शिष्या साध्वी सुप्रतिभाजी ने भी अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि महासतीजी ने 60 वर्षों से भी अधिक समय तक कठोर और संयममय जीवन जिया। जिसका जीवन संयम में पलता है, वही परम शांति के मार्ग तक पहुँचता है।

सामान्य दुनिया जहाँ अपने शरीर को निखारने में लगी रहती है, वहीं महान साध्वी ने जीवन भर अपनी आत्मा को निखारा और उसे कुंदन बना दिया। इस भावपूर्ण मौके पर आयोजक ’बेंगलूरु चातुर्मास समिति–2026’ की ओर से नेमीचंद दलाल ने महासाध्वी के महान गुणों का स्मरण करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी क्रम में महासंघ बेंगलूरु के महामंत्री अभयकुमार बांठिया, गुरु ज्येष्ठ पुष्कर भवन के महामंत्री महावीरचंद मेहता और मोक्षद्वार पत्रिका के संपादक गौतमचंद ओस्तवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभा के अंत में उपस्थित संपूर्ण जनसमूह ने सामूहिक रूप से 4 लोगस्स का ध्यान कर उस महान आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।संचालन नेमीचंद दलाल ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.